

हिंदी

कक्षा 2

सत्र 2019-20



DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

- विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।
विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूँढ़ें एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।



मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करें → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।



पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

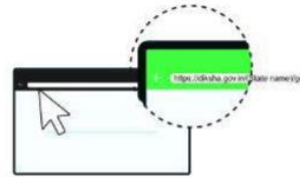
मोबाइल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय-वस्तु तक कैसे पहुँचे ?



1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।



2 ब्राउज़र में diksha.gov.in/cg टाईप करें।



3 सर्वर बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।



4 प्राप्त विषय-वस्तु की सूची से चाही गई विषय-वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष — 2019

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग., रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),
डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)
श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)



संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के.वर्मा

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी, सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव,
शोभा शंकर नागदा, रमेश शर्मा, दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा, रीता
श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज
साहू, खोजन दास डिडौरी

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या —

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003-04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक-पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिन्दी पुस्तिका रिमिज़िम-2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लनिंग आउट कम पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरुआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे-धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो-वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा-शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके साथ-साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा-1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक-से-अधिक मौके दें।

कक्षा-2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं—

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव-भाव अथवा उतार-चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस-पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे-धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी-खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ-साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।

- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम-से-कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा

सिखाने का उद्देश्य नहीं है।

- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।
- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।
- स्वतंत्र रूप से ऐसे लिख पाने में स्वयं सोचकर चित्र बनाना भी साथ-साथ शुरू करने से मदद मिलेगी।
- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

विषय-सूची

वर्णमाला	i - iv
1. तितली और कली	1 - 4
2. गुड़िया रानी की शादी	5 - 7
3. कौन बोला म्याऊँ	8 - 11
4. भालू ने खेली फुटबाल	12 - 17
5. चालाक चीकू	18 - 20
6. चींटी और हाथी	21 - 25
7. एकता का बल	26 - 30
8. कौन ?	31 - 33
9. मिट्टी	34 - 36
10. बहुत हुआ	37 - 40
11. मड़ई-मेला	41 - 44
12. ऊँट चला	45 - 48
13. आई एक खबर	49 - 52
14. चूहे को मिली पेंसिल	53 - 57
15. धूप	58 - 59
16. छोटे-छोटे कदम	60 - 62
17. चित्रकोट जलप्रपात	63 - 66
18. क्या है उसका नाम ?	67 - 71
19. साहसी बनो	72 - 74
20. परिशिष्ट	75 - 94



वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

संयुक्त अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् + ष)	(श् + र)

इनके अतिरिक्त इस प्रकार से भी संयुक्त अक्षर बनते हैं—

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

संयुक्त अक्षरों वाले शब्द

पत्ता

प्यार

प्यास

कृष्ण

पृथ्वी

क्या

पप्पू

प्याज

चप्पू

अच्छा

भाग्य

बच्चा

स्कूल

पुस्तक

मच्छर

लड्डू

संध्या

आनन्द

न्यारी

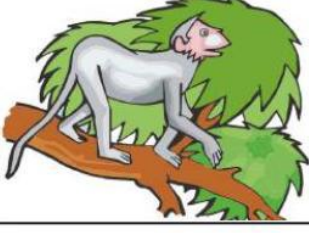
प्यारी

क्यारी

स्वास्थ्य

ग्वाल

स्लेट



ब+न्+द+र = बन्दर



प+त्+त+ा = पत्ता



बि+ल्+ल+ी = बिल्ली



क+ु+त्+त+ा = कुत्ता



ग+ु+ड्+ड+ी = गुड्डी



ब+च्+च+ा = बच्चा

पाठ 1



तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।



अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली।
कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।



शिक्षण संकेत — कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाए जाने कीट — पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह

दोपहर

शाम

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते-जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।
जैसे – कली, भली
- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

.....बोलो..... तितली..... डाल

.....

.....

.....

महके सारी गली-गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।
अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे
बुरी लगने वाली महक को कहेंगे
- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पसंद नहीं है

.....

.....

.....

.....

.....

.....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?
फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस-किस तरह की महक आती है?
(जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे

.....

.....

.....

.....

.....

.....

नहीं जागेंगे

.....

.....

.....

.....

.....

.....

रंग-बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।

नीचे लिखी चीज़ें किन-किन रंगों की हो सकती हैं ?

..... तितली सूरजमुखी
..... बैंगन लड्डू

..... पेंसिल प्याला
..... कुर्ता साग
..... संतरा मिट्टी



पाठ 2



खीय* kj kuhd h' lkh

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो  थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास  थी। मंजु के पास  था। दोनों रोज शाम को  में खेलती थीं। उनके  भी पास-पास थे।  में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे  और  की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी-अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने  का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने  का कुर्ता और  तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो  बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से  और  ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने  बजाया और  ने बधाई गाई। इस तरह  और  की शादी हुई।

शिक्षण संकेत :-

1. पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2. पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3. बारी-बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

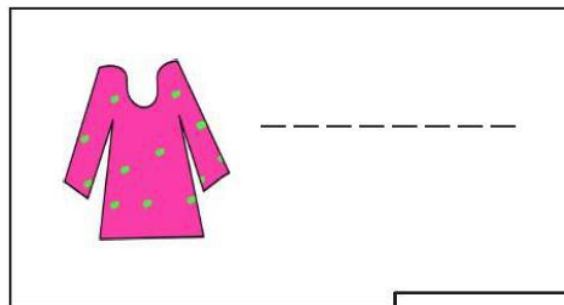
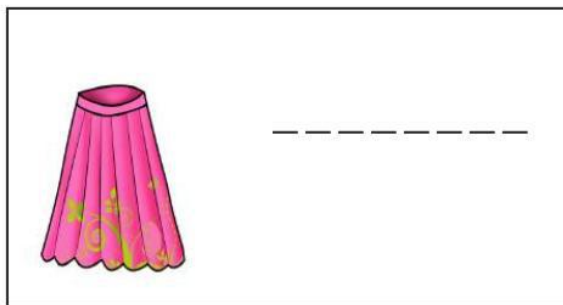
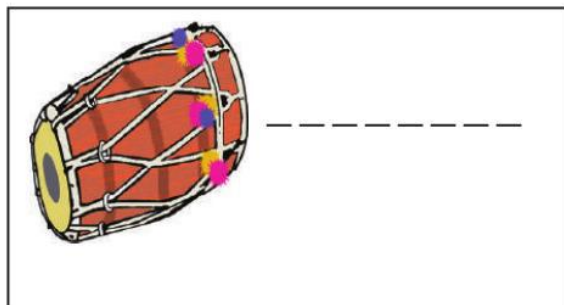
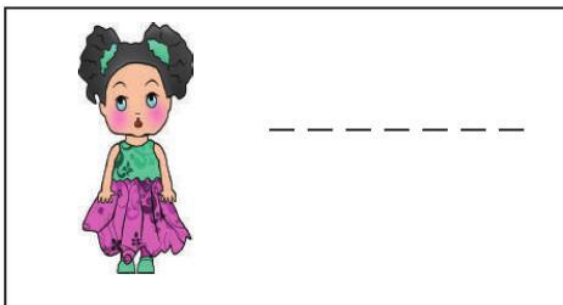
शब्दार्थ

- गहरी = अच्छी, गाढ़ी। मित्रता = दोस्ती।
 तय करना = निश्चित करना। जुट जाना = किसी काम में लगना।
 मदद = सहायता। माला = हार।
 बधाई गाना = शादी के गीत गाना।

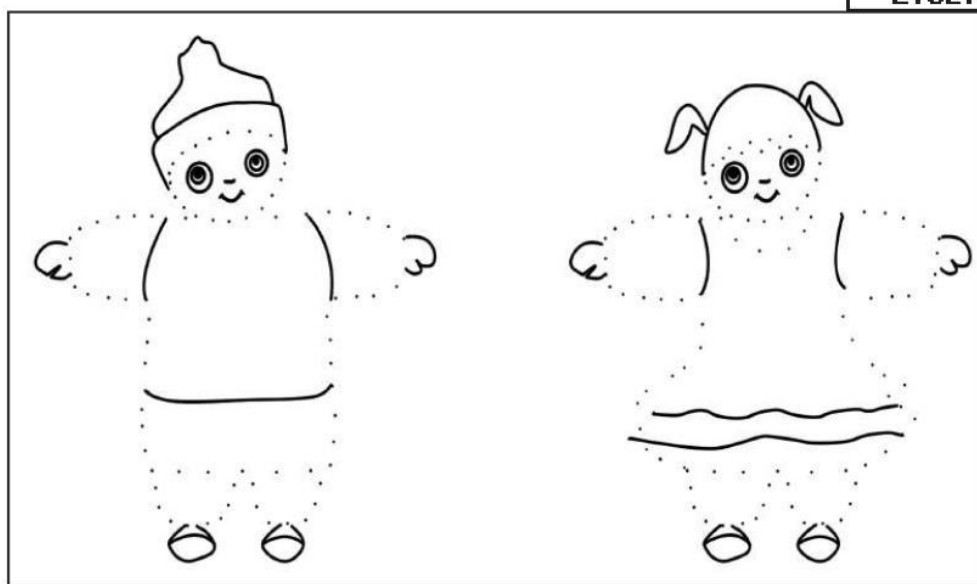
अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
 मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना
2. सही क्या है –
 1. चंपा के पास (गुड़िया थी/गुड़डा था।)
 2. चंपा और मंजू के घर । (पास-पास थे/दूर-दूर थे।)
 3. गुड़डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने
 सहायता माँगी,
 (माँ से/पिता से)
 4. मंजू की माँ ने कपड़े बनाए। (गुड़डे के/गुड़िया के)
 5. सूरज की माँ ने (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाई)
 6. रामू काका ने (ढोलक बजाया/बधाई गाई)
3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –
4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या –
 क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।
6. चित्र देखकर नाम लिखो—



7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड़डा बनाओ।
8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

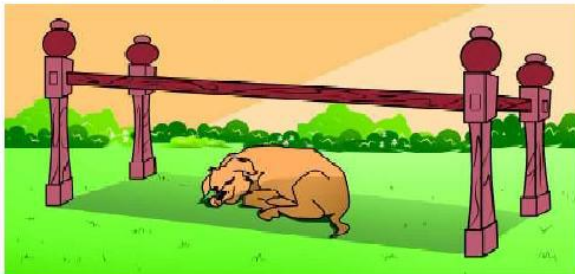




पाठ 3

कौन बोला म्याऊँ ?

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज
मेंढक	फुदक	भिन्-भिन्
मधुमक्खी	झाड़ी	टर्-टर्



एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर-उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई



पिल्ले ने पूछा- "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"

"नहीं, मैं तो 'चीं-चीं' बोलता हूँ"- चूहा बोला।

पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर

एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा-"क्या तुम बोली म्याऊँ ?" "नहीं, मैं तो भिन्-भिन् करती हूँ।"

फिर आवाज आई "म्याऊँ।"

तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।

पिल्ले ने मेंढक से पूछा- "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"

"मैं तो टर्-टर् बोलता हूँ।" फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"

"कौन बोला म्याऊँ ?"

मैं बोली म्याऊँ...



शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

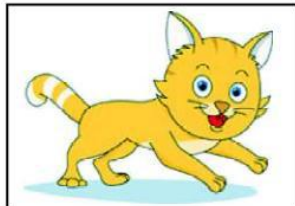
शब्दार्थ

पिल्ला = कुत्ते का बच्चा, आवाज = ध्वनि, भिन्-भिन् = मधुमक्खी की आवाज

अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी
- कौन कैसे आवाज निकालता है जोड़ी बनाओ –

1.



– भिन् – भिन्

2.



– टर् – टर्

3.



– भौं – भौं

4.



– म्याऊँ-म्याऊँ

3. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाओ।

- क. पिल्ला कहाँ सोया था ?
(खाट के नीचे / खाट के ऊपर)
- ख. फूल पर कौन बैठा था ?
(मधुमक्खी / कीड़ा)
- ग. तालाब के किनारे कौन बैठा था ?
(मेंढक / चूहा)
- घ. म्याऊँ कौन बोला ? बताओ।
(बिल्ली / पिल्ला)

4. कौन, किसका बच्चा है? रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

क		ख
चूजा	—	कुत्ता
पिल्ला	—	मुर्गी
बछड़ा	—	भेड़
छौना	—	गाय
मेमना	—	हिरन

5. सोचकर बताओ।

तुम अपने आस – पास बहुत सी आवाजों को सुनते होगे। बताओं ये आवाजें किसकी हैं?

1. घर – घर —
2. टन – टन —
3. ट्रिंग – ट्रिंग —
4. झुन – झुन —
5. ठन – ठन —

6. एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण करो।

- क. साड़ी — गाड़ी
- ख. टर्-टर् — फर्-फर्

कौन बोला म्याऊँ ?

11

ग. आस — पास

घ. झट — पट

6. कौन — कहाँ मिलेगा

स्थान 1	स्थान 2	जीव — जंतु
---------	---------	------------

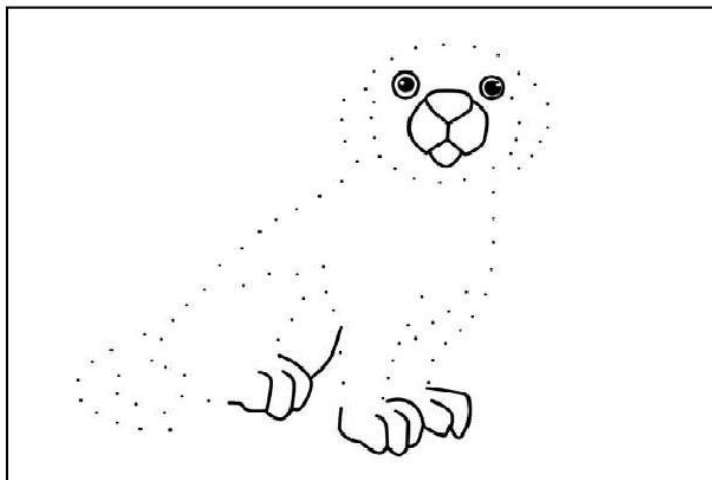
.....	साँप
.....	तोता
.....	हाथी
.....	गाय

7. गतिविधि —

1. नीचे बने वर्ग में बारह पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर पढ़ो।

हा	थी	गि	घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	झी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूरा करो एवं रंग भरकर उसका नाम लिखो —





पाठ 4

भालू ने खेली फुटबॉल



गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत
सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर
कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर
गोल-मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया
हुआ था।

इधर भालू,
साहब सैर पर
निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी
उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।



आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई — अहा!
फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ
गर्मी हासिल की जाए।



आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।



मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल



दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे यह क्या! शेर
का बच्चा फिर से
उछालने के लिए कह
रहा था।

एक बार फिर
भालू दादा ने उछाला।
दो बार तीन बार फिर
बार-बार यही होने
लगा। शेर के बच्चे को



उछलने में मज़ा आ रहा था।
परंतु भालू थककर परेशान हो
गया था।

ओह, किस आफत में आ
फँसा। बारहवीं बार उछालते ही
भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई
और गायब हो गया।



शेर के बच्चे ने कहा – ज़रा ठीक तो हो लूँ । माली ने कहा ठीक है।



अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा – डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।



मैं अभी आता हूँ। माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा – जान बची तो लाखों पाए।

शिक्षण संकेत — पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बारे में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

आफत = मुसीबत, कोहरा = धुंध, वक्त = समय, लपक = पकड़,

अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ।
कोहरा, सुबह, गायब, जमीन, हड़बड़ी, जामुन
- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो।
क. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी ?
ख. शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा ?
ग. भालू साहब किस बात पर पछताए ?
घ. भालू ने क्यों कहा — ओह! किस आफत में आ फँसा ?
- दिए हुए वाक्यों को पढ़कर पढ़ी गई कहानी के क्रम में जमाओं —
क. भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।
ख. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।
ग. भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।
घ. भालू साहब सैर को निकले।
ड. भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।
- क्या होता अगर —
क. भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता ?
ख. शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता ?
- करके देखो —
क. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा।
उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।
ख. नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं ? कक्षा में करके बताओ।

लपकना
कंधी करना
दबे पाँव चलना

फेंकना
मोज़ा पहनना
धुले कपड़े निचोड़ना

6. शेर के बच्चे ने सुनाई आपबीती

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता-पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या-क्या सुनाया होगा? बताओ।

7. खेल-खेल में

क. फुटबॉल को फुट बॉल क्यों कहते होंगे?

ख. ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें बॉल (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

पिट्ठूल

8. तुम्हारी समझ से

ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल-मटोल सिमटकर बैठ गया था।

तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या-क्या कर सकता था?

9. ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड

से बचने के लिए क्या-क्या करते हो ? (✓) का निशान लगाओ।

क. दौड़ लगाते हो।

ख. गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हो।

ग. रज़ाई ओढ़ते हो।

घ. आग तापते हो।

ड. ठंडा पानी पीते हो।

च. गर्म पानी में नहाते हो।

छ. गर्म-गर्म चाय पीते हो।





पाठ 5

चालाक चीकू

बिल्ली मौसी हिस्सा
अंदर दौड़

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू— "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

दूर नीम का पेड़ खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाई, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू, अपनी जान बचाई।।

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बिल्ली, मौसी, हिस्सा, अंदर, चूहा, पेड़

2. पढ़ो और समझो।

बिल्ली	–	बिल्लियाँ	नारी	–	नारियाँ
ताली	–	लाठी	–
आरी	–	साड़ी	–

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखो।

दौड़ _____

4. वाक्यों में आए परिवर्तन को रेखांकित करो।

मैं कहाँ जा रहा हूँ ?

हम कहाँ जा रहे हैं ?

तुम कहाँ जा रहे हो ?

तुम लोग कहाँ जा रहे हो ?

वह कहाँ जा रहा है ?

वे कहाँ जा रहे हैं ?

5. सोचकर बताओ –

1. कविता को कहानी में सुनाओ।

2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?

3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?

6. पढ़ो और समझो।



7. चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो – (कोई एक)

बिल्ली, चूहा, खरगोश

A large empty rectangular box for drawing a picture.



Three horizontal dashed lines for writing.



पाठ 6

चींटी और हाथी



सूँड़ जंग धक्का-मुक्की फूँक बित्ता जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।



उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानवरों से वह धक्का-मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई

कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, “तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।”

हाथी बोला, “चुप रह! छोटी-सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।



रानी चींटी बोली—“शेर जी से कह दूँगी।”

हाथी हँसकर बोला,

“शेर से क्या कहेगी ?

वह मेरे दम पर मुखिया है।”

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर— उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।



अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर—जोर—से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, “आया मजा बच्चू! अब क्यों रेतें हो ? आई नानी याद ?”

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, “चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।” रानी चींटी ने सोचा, “हाथी को अब आई अक्ल”। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, “हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।”

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत — पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी—छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तुरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	होमी भरना	=	हो कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ—

सूँड़, जंग, धक्का—मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन—सी बात सही और कौन—सी गलत है।

- क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं। (-----)
- ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (-----)
- ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (-----)
- घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (-----)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो —

अच्छा	—	बेकार	भीतर	—	बाहर
ऊपर	—	नीचे	दुखी	—	सुखी
ज्यादा	—	कम	बड़ा	—	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो —

सूपा सूँड़ पूँछ पैर पंख चोंच दाँत आँखें

- क. तोते की _____ लाल होती है।
- ख. हाथी की _____ लम्बी होती है।
- ग. चिड़िया के दो _____ होते हैं।
- घ. जानवरों के चार _____ होते हैं।
- ङ. कुत्ते की _____ टेढ़ी होती है।
- च. हाथी के कान _____ जैसे होते हैं।
- छ. हाथी के _____ बड़े-बड़े होते हैं।
- ज. हाथी की _____ छोटी होती है।

5. गतिविधि :-

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोचकर बताओ -

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?



..... ।



..... ।



..... ।



..... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या - क्या खाया होगा ? तुम क्या - क्या खाते हो ?



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

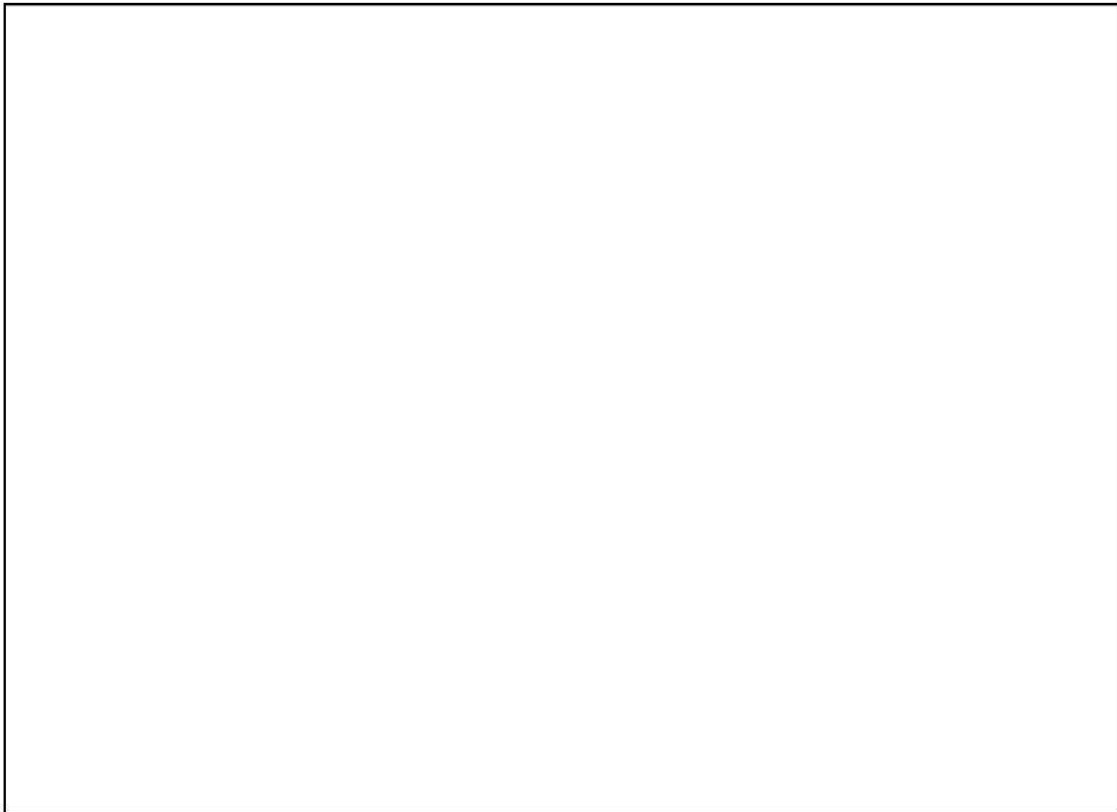
.....

.....

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

.....
.....
.....
.....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –





पाठ 7

एकता का बल

पीपल कबूतर भोजन धरती चिल्लाना बहेलिया
क्षमा इशारा मित्र उन्हें मदद बूढ़ा धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत-से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।



एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, “देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।”

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत-सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे-धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, “ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?”

दूसरा कबूतर बोला, “कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।”

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, “बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।”

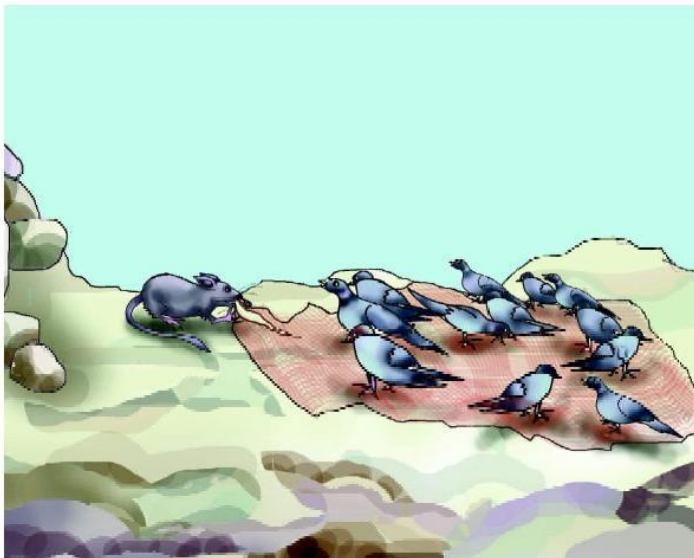
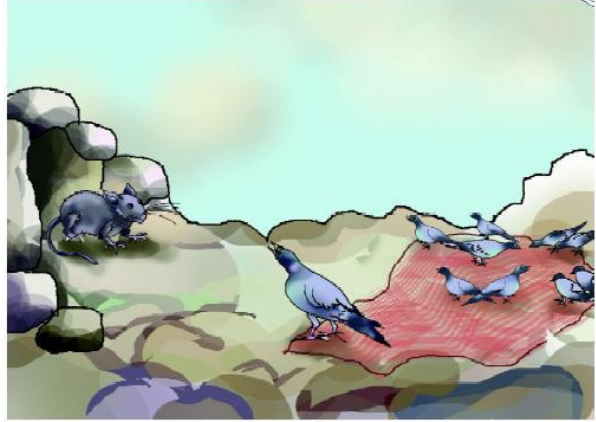


तभी एक कबूतर चिल्लाया, “उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।”

बूढ़ा कबूतर बोला, “घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।”

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे-आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।



बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे-फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, “यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।”

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल

आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत — एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
 मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

- क. कबूतर कहाँ रहते थे ?
- ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?
- ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?
- घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?
- ङ. बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?
- च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

- भोजन के लिए —————
- स्वास्थ्य के लिए —————
- शिक्षा के लिए —————
- कपड़ों के लिए —————

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

- क. बहुत-सा दाना ————— पर बिखरा था। (धरती, आसमान)
- ख. जंगल में इतना ————— कहाँ से आया ? (दाना, खाना)
- ग. कबूतर ————— में फँस गए। (जाल, कीचड़)
- घ. चूहा हमारी ————— करेगा। (मदद, दया)
- ङ. कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से ————— माँगी। (क्षमा, सहायता)

5. ड, ढ, त्र, क्ष वर्णों से बने एक-एक शब्द खोजकर लिखो।

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

- | | | |
|----------------|---|--------------------------|
| क. कबूतर | – | जाल काट दिया। |
| ख. चूहे ने | – | आगे-आगे उड़ रहा था। |
| ग. कबूतरों ने | – | पीपल के पेड़ पर रहते थे। |
| घ. बूढ़ा कबूतर | – | चूहे को धन्यवाद दिया। |

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

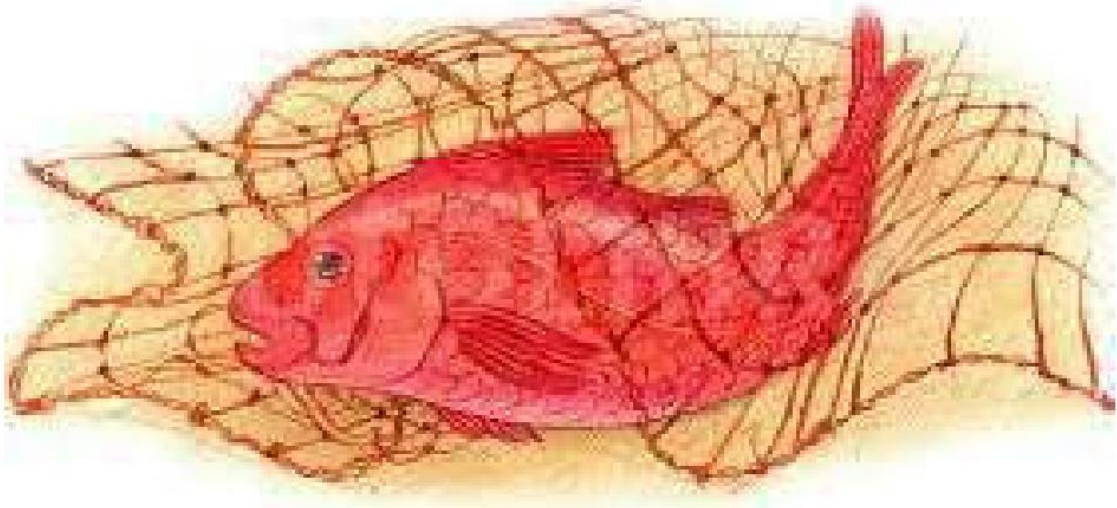
बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	_____	–	_____
गधा	–	_____	–	_____
घोड़ा	–	_____	–	_____

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –



□▶	कबूतर पेड़ पर रहता है ।
□▶	कबूतर चुगता है ।
□▶
□▶
□▶

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।



पाठ 8

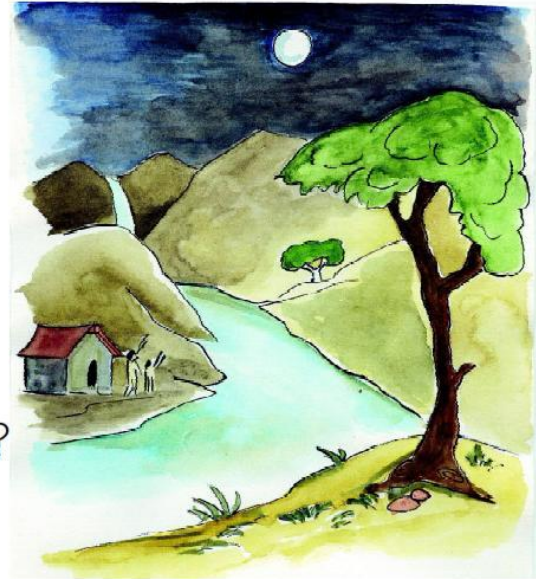
कौन ?



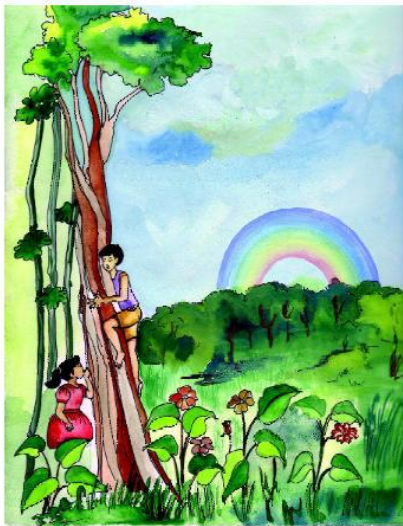
चाँद प्यास मुस्काता
प्रश्न निर्मल इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने-सा चमकाता कौन ?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?



अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल-खिलकर मुस्काता कौन ?
अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?



शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़-पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी-छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरा-ही-हरा होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक-एक वाक्य में उत्तर लिखो।

क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

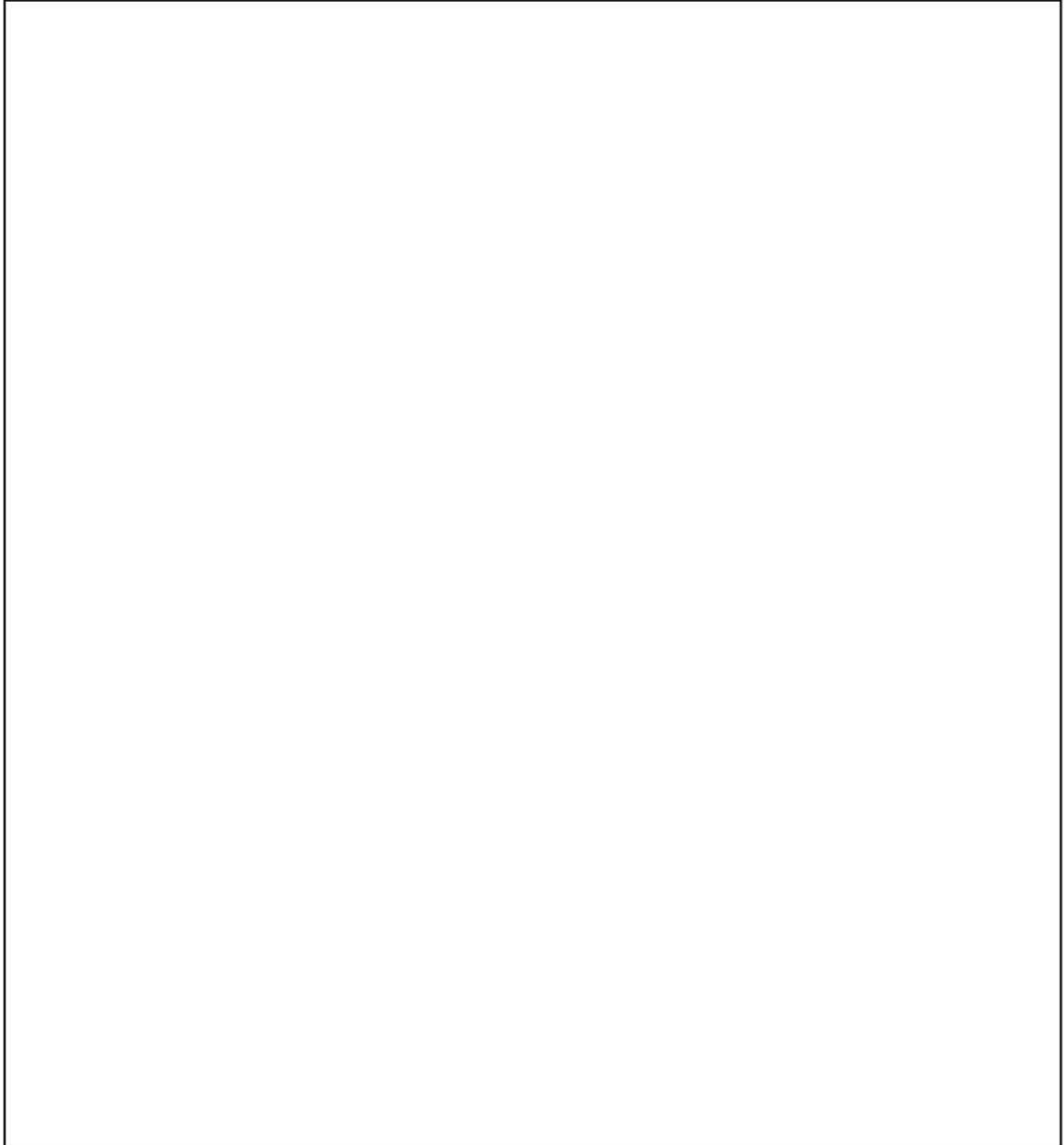
घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इंद्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हे कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ ।

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)





पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी-सोंधी, सुंदर, रंग-बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप-टप, टप-टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी-सोंधी मिट्टी॥



मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी॥



गमले, मटके सजे सलोने,
रंग-बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या-क्या देती मिट्टी॥

शिक्षण संकेत :- कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

क्या किसी भी मिट्टी से खिलौने बनाए जा सकते हैं?

मोनू और जय मेले में गए। मेले में उन्होंने सुंदर-सुंदर खिलौने देखे। घर आकर उन्होंने भी खिलौने बनाने चाहे। घर के सामने मुरम पड़ी थी। वे दोनों मुरम के खिलौने बनाने लगे। पर मुरम के खिलौने नहीं बने। मुरम में छिपी मकड़ी ने उचककर कहा, “अरे, मोनू! इस मिट्टी के खिलौने नहीं बनेंगे। चलो, हम कहीं अच्छी मिट्टी ढूँढ़ते हैं।” थोड़ी दूर एक मकान बन रहा था। सामने रेत का ढेर लगा था। मोनू, जय और मकड़ी ने खिलौने बनाने के लिए रेत में पानी डाला। रेत में से पानी बह गया। रेत में छिपे घोंघे ने कहा, “जय भैया! यह तो रेत है, इसके खिलौने नहीं बनेंगे।” वहीं एक केंचुआ मिट्टी खोद रहा था। वह रेंगता हुआ आया और गर्दन मटकाकर बोला, “मोनू दीदी! नदी की मिट्टी के खिलौने अच्छे बनेंगे।” सबने नदी के किनारे की मिट्टी खोदी। मिट्टी में से घास निकाली, मिट्टी इकट्ठी की। सबने मिलकर खिलौने बनाए।

शब्दार्थ

सलौने = सुंदर, मोल = मूल्य
सोंधी-सोंधी = सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

- क. मिट्टी से क्या-क्या चीजें बनती हैं?
ख. खिलौने किन-किन चीजों से बनते हैं?

2. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और लिखो।

गाँव	—।	मिट्टी	—।
सोंधी	—।	सुंदर	—।
रंग-बिरंगे	—।	सलौने	—।

3. पढ़ो और समझकर लिखो –

गाँव	—	पाँव, छाँव,,	फूल	—,
महकी	—,	खिलाती	—,
गली	—,			

4. मिट्टी लाकर खिलौने बनाओ, जैसे— चक्का, बेलन, लोटा, गिलास, आदि। सूख जाने पर उन्हें रँगो और अपनी कक्षा में सजाओ।
5. निम्नलिखित स्थानों पर बच्चों को ले जाकर वहाँ की मिट्टी एकत्र करवाएँ और उनके अंतर के बारे में चर्चा कराएँ—
1. धान का खेत
 2. मैदान
 3. नदी किनारे

धान का खेत	मैदान	नदी किनारे



पाठ 10

बहुत हुआ



35S6PC

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन



शिक्षण संकेत — लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

मौन	=	शांत, चुप	सुआ	=	तोता
ताल	=	तालाब	सूरज	=	सूर्य

अभ्यास

1. बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन-कौन से शब्द आते हैं?
सोचो और लिखो।

.....

.....

.....



2. जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन-कौन से खेल खेलते हो?
-
-
-
3. जब खूब तेज़ बारिश होती है तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देता है?
4. बारिश में खूब पानी बरसता है। यह सब पानी कहाँ-कहाँ जाता है?
5. ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ -

- लोग
- कबूतर
- केंचुआ
- कुत्ता
- मछली
- मोर

6. बहुत हुआ !
बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं -
बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !
क. जब हम
ख. बहुत हुआ, अब अंदर चलो !



जब हम

ग. बहुत हुआ, अब सो जाओ!
जब हम

घ. बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!
जब हम

7. कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

क. तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।

ख. सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।



8. अब नहीं बरसूँगा!

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ।



9. अपने अनुभव बताओं –

1. क्या तुमने बारिश के दिनों में कागज की नाव बनाकर पानी में तैराई हैं। कागज की एक नाव बनाओं।
2. बारिश के दिनों में पानी में भीगना कैसा लगता है?
3. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन-सा लगता है। और क्यों?
4. बारिश से संबंधित कविताएँ ढूँढकर कक्षा में सुनाओं?



पाठ 11

मड़ई-मेला



कंधी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

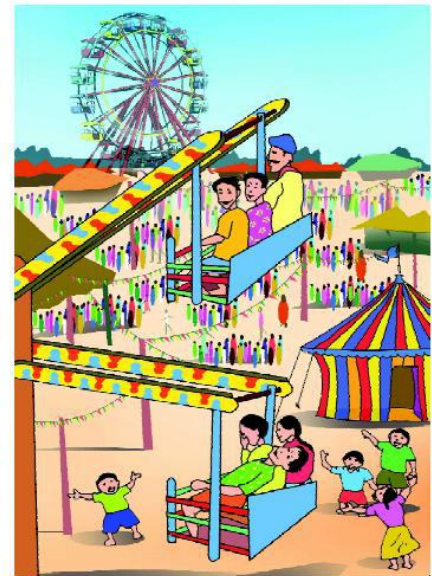
आज हमारे गाँव में मड़ई-मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंधी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

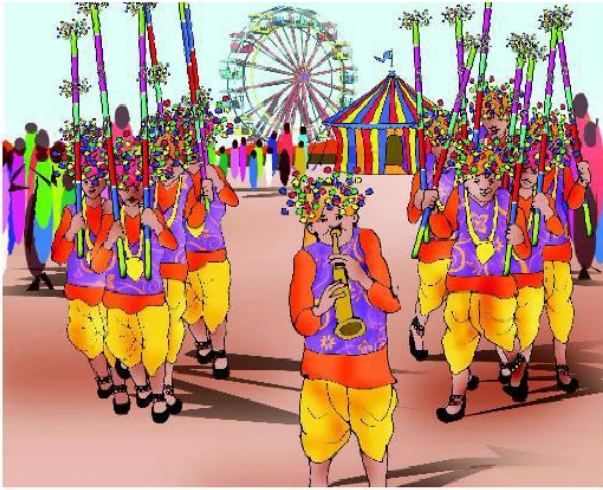
वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी-जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा—“मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।”

सुंदर रंग-बिरंगी पोशाकों और फूल-मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे-गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।





मेले में तरह-तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुगों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुरा लाडू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारु एक बड़ा-सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारु ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम-घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह-तरह के फुगो खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :- संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह-अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाडू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

ड. बच्चों ने मेले में क्या-क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क. पका टमाटर लाल

ख. श्यामपट

ग. नीम के पत्ते

घ. मूली

ड. सूरजमुखी का फूल

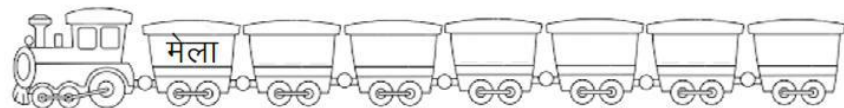
4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –



5. तुमने मड़ई-मेले में क्या-क्या देखा ? लिखो -

5. तुम्हारे गाँव में मड़ई-मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या - क्या करते हो -

6. शब्दों की रेल -



7. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो -

- क. _____ रायपुर जा रहा हूँ।
 ख. _____ नहा रहे हो।
 ग. _____ पढ़ रहा हूँ।
 घ. _____ रायपुर जाओ।
 ङ. _____ कहाँ जा रहे हो?



8. तुम मेले में जाते तो क्या-क्या खरीदते ?

9. गतिविधि :-

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबिया स रहचुला बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।



पाठ 12

ऊँट चला



ऊँट	बोझ	फँसेगा
ऊँचा	गर्दन	करवट

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता-डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।
ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।
बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।



नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?
बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।



शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

शब्दार्थ

भई — भाई बालू — रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ —

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ —

- क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?
- ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन-कौन-से हैं?
- ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?
- घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?
- ङ. ऊँट किस काम आता है?
- च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।
- छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या-क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो —

ऊँचे

छोटे

पेड़

खरगोश

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द

बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द

_____, _____
_____, _____
_____, _____

_____, _____
_____, _____
_____, _____

5. गतिविधि :-

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –



2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

“ऊँट” शब्द जल्दी-जल्दी बोलकर देखो ।

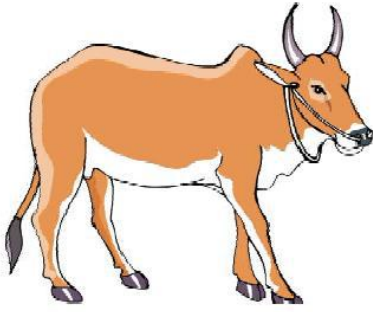
जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

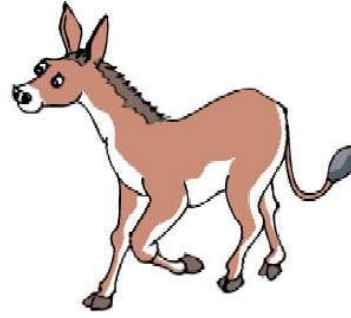
ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।



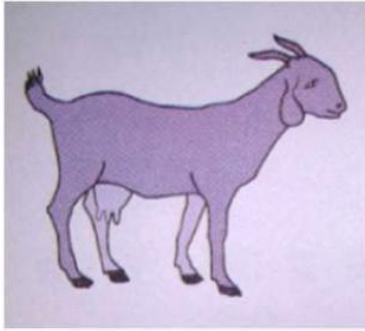
7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते हैं पहचान कर नाम लिखो—



.....



.....



.....



.....



.....



.....



पाठ 13



आई एक खबर

दिल्ली	अंदर	मच्छर	मक्खी
बंदर	आँसू	टिड्डे	समंदर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?



घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते-रोते फिर वह सोया।

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।



रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।



शिक्षण संकेत :- कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (ॢ) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

खबर = समाचार समंदर = सागर, समुद्र
 ढाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा/बोली में बताओ –

खबर, समंदर, ढाई, अंदर,

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

क. मटका कितना बड़ा रहा होगा ?

ख. ढाई बंदर कैसे हुए होंगे ?

ग. मटका कैसे फूटा ?

3. वाक्यों में प्रयोग करो – मटका, बंदर

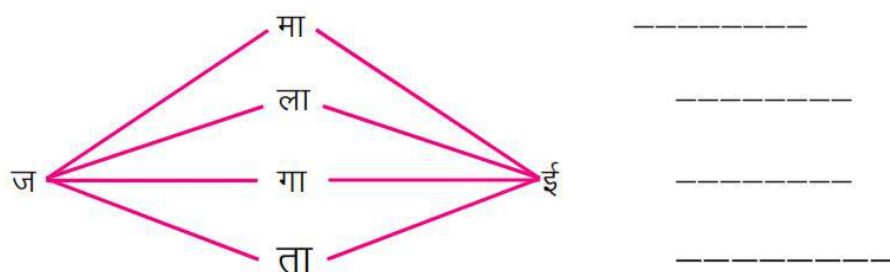
4. उदाहरण देखो। ऐसे कुछ और शब्द लिखो।

उदाहरण— धारा चारा खारा

अंदर _____, _____, _____

लात _____, _____, _____

5. तीन अक्षर वाले शब्दों के बीच के अक्षरों को बदल-बदलकर नए-नए शब्द बनाओ और लिखो, जैसे— जमाई।



6. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखो।

जैसे— मकखी, _____ ।, _____ ।,
 _____ ।, _____ ।,

7. गतिविधि :-

1. बंदर से संबंधित कहानी ढूँढ़ो और कक्षा में अभिनय करो ।
2. तुम्हें खबरें कहाँ-कहाँ से मिलती हैं ।
3. अपने गाँव में हुई किसी घटना की खबर सुनाओ ।
4. शिक्षक कक्षा में “आज की बात” गतिविधि करवाएँ ।



पाठ 14



चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल ढूँढ़ आखिरी अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1



उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट-पलट कर देखने लगा।

2



“मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो”, पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, “मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूंगी।”

3

“मैं तुम्हें कुतरूँगा,” चूहे ने कहा।



“मुझे अपने दाँत पैंने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ-न-कुछ कुतरना पड़ता है।” और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

4

“उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।”



“ठीक है,” चूहे ने कहा। “तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा।”

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा-सा गोला बना दिया।

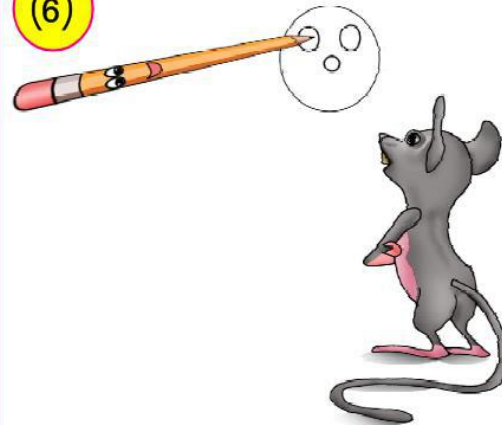
5



“यह क्या पनीर का टुकड़ा है?” चूहे ने पूछा।

“हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे” पेंसिल ने कहा।

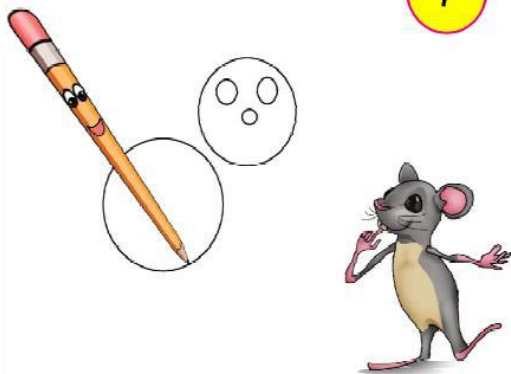
(6)



फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

“हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।” चूहे ने कहा। “इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।”

7



“चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोलेंगे।” पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

“अरे, यह तो सेब है,” चूहा चहका। “हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,” पेंसिल ने कहा।

8



पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब-से चित्र बनाने लगी।

“अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।”

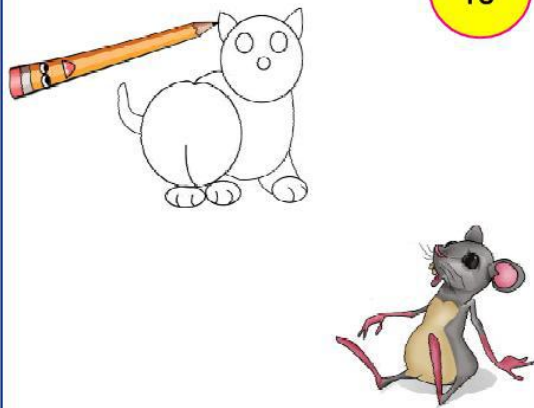
9



चूहे के मुँह में पानी आने लगा।
“जल्दी करो! मुझे खाना है।”

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

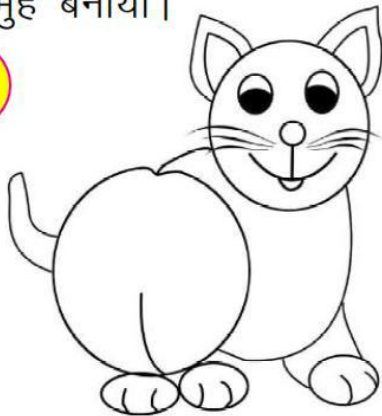
10



“अरे, अरे” चूहा चीखा। “अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।”

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी-लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

11



चूहा डरकर चिल्लाया, “अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।”

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

12



क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

शिक्षण संकेत :- चित्र-कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे-बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू-पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना	=	विनती करना	तिकोन	=	तीन कोनेवाला
ठंडी साँस लेना	=	राहत पाना	भागकर	=	दौड़कर
आखिरी	=	अंतिम	पैने	=	नुकीले, धारदार
अजीब	=	विचित्र	दर्द	=	पीड़ा
कुतरना	=	दाँत से काटना			
पनीर	=	दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ			
चमचम	=	दूध या छेने से बनी मिठाई			

अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर
- इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –
क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?
ख. बड़ा-सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?
ग. चमचम क्या होता है?
घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?
ङ. चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?
- चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।
- सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरों –
(कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)
क. चूहा ————— दूसरे बिल में घुस गया।
ख. चूहे ने पेंसिल ————— शुरू कर दिया।

- ग. पेंसिल ने कहा,— “मुझे एक ————— चित्र बना लेने दो।”
 घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ————— छोटे गोले बना दिए।
 ङ. चूहा डरकर —————, “अरे बाप रे!”

5. शब्दों का खेल।

ता ज म ह ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे —

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

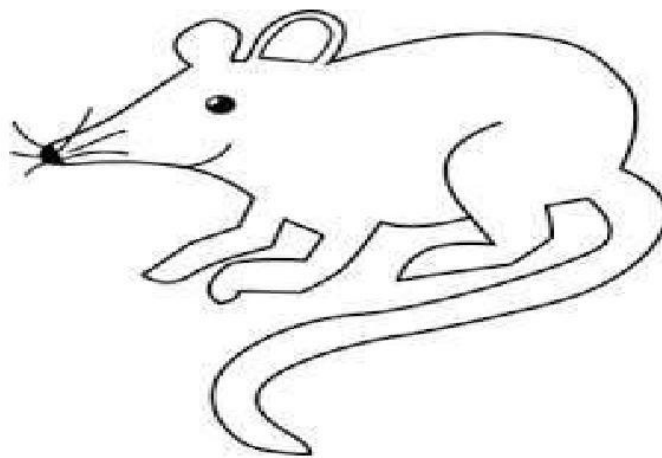
इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं —

क म ल क क डी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	—	बिल्ली	चूहा	—	चुहिया
	घोड़ा	—	घोड़ी	भैंसा	—	भैंस
	बकरा	—	बकरी	गाय	—	बैल
ख.	मेरा		मेरी			मेरे
	हमारा		हमारी			हमारे
	तुम्हारा		तुम्हारी			तुम्हारे

7. रंग — बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।





पाठ 15

धूप

कण पर्वत आँगन पंछी पत्ते पंख

बीती रात हुआ उजियारा
घर-आँगन में उतरी धूप।
कण-कण में, पत्ते-पत्ते पर
हँसती-गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।
सागर की लहरों पर नाची
सबकी बनी सहेली धूप।



पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
धरती के कोने-कोने तक
देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :- शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति-गति, लय तथा हाव-भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकालवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृत्ति 4-5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = समाप्त हुई। पंछी = चिड़िया। सहेली = सखी, मित्र।
पर्वत = पहाड़। कण = बहुत छोटा टुकड़ा

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
पंछी, सहेली, पर्वत
2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –
क. रात बीतने पर क्या हुआ ?
ख. पर्वत की चोटी पर क्या उछली ?
ग. पंछी के पंख कैसे चमके ?
घ. कौन सबकी सहेली बन गई है ?
3. कविता की पंक्तियों को पूरा करो।
क. बीती रात हुआ _____
ख. झरनों के संग _____
ग. _____ की लहरों पर नाची।
घ. धरती के कोने-कोने तक _____
4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखो, जैसे- घर-आँगन

5. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

सुबह	—	शाम	उतरी	—	चढ़ी
नई	—	पुरानी	आई	—	गई
धूप	—	छाँव	हँसना	—	रोना
6. का, की, के, को मिलाकर शब्द बनाओ और पढ़ो।

	का	की	के	को
उस	उसका	उसकी	_____	_____
किस	_____	_____	_____	_____
सब	_____	_____	_____	_____

गतिविधि :-

1. सूरज, चिड़िया और फूल के चित्र बनाओ।
2. किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।





पाठ 16

छोटे-छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर



छोटे-छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे हम,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे-छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर-आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।



शिक्षण-संकेत — बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ—
कदम, आँगन, मेहनत, घबराना
- इन प्रश्नों के उत्तर बताओ —
क. पढ़ना क्यों जरूरी है?
ख. पेड़-पौधों से हमें क्या लाभ हैं?
ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?
घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?
- निम्नलिखित शब्दों से एक-एक वाक्य बनाकर बोलो —
मेहनत, फूल, गड़ढा, आँगन
- पढ़ो, समझो और लिखो —

गली	—	गलियाँ	पेड़	—	पेड़ों
कली	—		बैल	—	
सखी	—		घर	—	
चक्की	—		दिन	—	
- अपने बारे में लिखो —
- पढ़ो और समझो —

जाना —	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना —	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना —
हँसना —
देखना —

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो— जैसे —

क — कदम, _____

ह — हम, _____

ग — गलियाँ, _____

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।



पाठ 17



चित्रकोट जलप्रपात

मनोरम	जलप्रपात	संगीत
अस्त होना	बैठक कक्ष	आनंद

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, “मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?”

मामा ने कहा – “अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।”

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ धारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ-सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही-नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे-बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, “यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।



चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते-चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

शिक्षण संकेत :- चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी। चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

जलप्रपात	=	चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी		
मनोरम	=	मन को अच्छा लगाने वाला		
संगीत	=	गाना	चट्टान	= बड़े-बड़े पत्थर
अस्त होना	=	छिप जाना	दृश्य	= जो दिखाई पड़ता है।
आनंद	=	खुशी	आज्ञा	= आदेश

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ —

मनोरम, जलप्रपात, अस्त होना, आनंद, संगीत

2. इन प्रश्नों के उत्तर दो —

क. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूर है ?

ख. चित्रकोट किस नदी का जलप्रपात है ?

ग. तुम्हारे मामा कहाँ रहते हैं ?

3. पढ़ना, लिखना, शीतल, बस-स्टैंड, धारा का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बोलो।

4. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो —

(अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

क. चित्रकोट का ————— उनकी आँखों के आगे था।

ख. वहीं बैठे-बैठे वे प्रपात का ————— ले रहे थे।

ग. सूर्य अब ————— होने ही वाला था।

घ. यह ————— का चित्र कहाँ का है?

5. पढ़ो और समझकर लिखो।

मेरा	—	मेरे	स्थान	—	स्थानों
हमारा	—	—————	मकान	—	—————
तुम्हारा	—	—————	दुकान	—	—————
उसका	—	—————	पहाड़	—	—————
किसका	—	—————	सड़क	—	—————

6. सोचो, समझो और लिखो।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	-----	-----	-----	-----	-----
खेलना	-----	-----	-----	-----	-----
दौड़ना	-----	-----	-----	-----	-----

7. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखो -

जल्दी	—	दिन	—
ऊँचा	—	जागा	—
नीचे	—	प्रश्न	—
गिरना	—	आना	—
हाँ	—		

8. गतिविधि :-

‘मामा’ शब्द को उल्टा लिखने पर ‘मामा’ ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाओ।

9. क्या तुमने कभी कोई नदी, झरना या जलप्रपात देखा है? उसके बारे में लिखो।



पाठ 18



क्या है उसका नाम ?

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव-गाँव।

काले रंग का पक्षी होता, करता काँव-काँव।।

बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।

तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।

बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



3. कुकड़ूँ-कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।

सिर पर लाल-लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।

बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।

उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।

बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



शिक्षण संकेत — इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

5. पेड़ों पर वह उछले-कूदे, झुंड बनाकर रहता।
मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।
बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



6. रंग-बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।
हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।
बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।
लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?
बोलो क्या है उसका नाम ——— ?



शब्दार्थ

पक्षी	=	चिड़िया	अकड़ना	=	ऐँठना
मानुष	=	मनुष्य, आदमी	काया	=	शरीर
निराला	=	अनोखा	हाथ आना	=	प्राप्त होना
कलगी	=	मुर्गे की चोटी	पत्ता नहीं खड़कना	=	पूर्ण शांति होना
खड़कना	=	खड़-खड़ की आवाज होना			

शब्दार्थ

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ —

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

काँव—काँव	—	बंदर
कुहू—कुहू	—	मुर्गा
खों—खों	—	कौआ
टें—टें	—	कोयल
कुकड़ू—कूँ	—	तोता

3. एक—एक शब्द में उत्तर लिखो —

उत्तर

- क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ?
- ख. फूलों पर कौन मँडराता है ?
- ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ?
- घ. जल की रानी किसे कहते हैं ?
- ड. पेड़ों पर उछल—कूद कौन करता है ?

4. समान तुक वाले शब्द लिखो।

जैसे— पाला — माला — ताला — नाला

ऐसी — — — — —, — — — — —, — — — — —

आता — — — — —, — — — — —, — — — — —

राजा — — — — —, — — — — —, — — — — —

खाना — — — — —, — — — — —, — — — — —

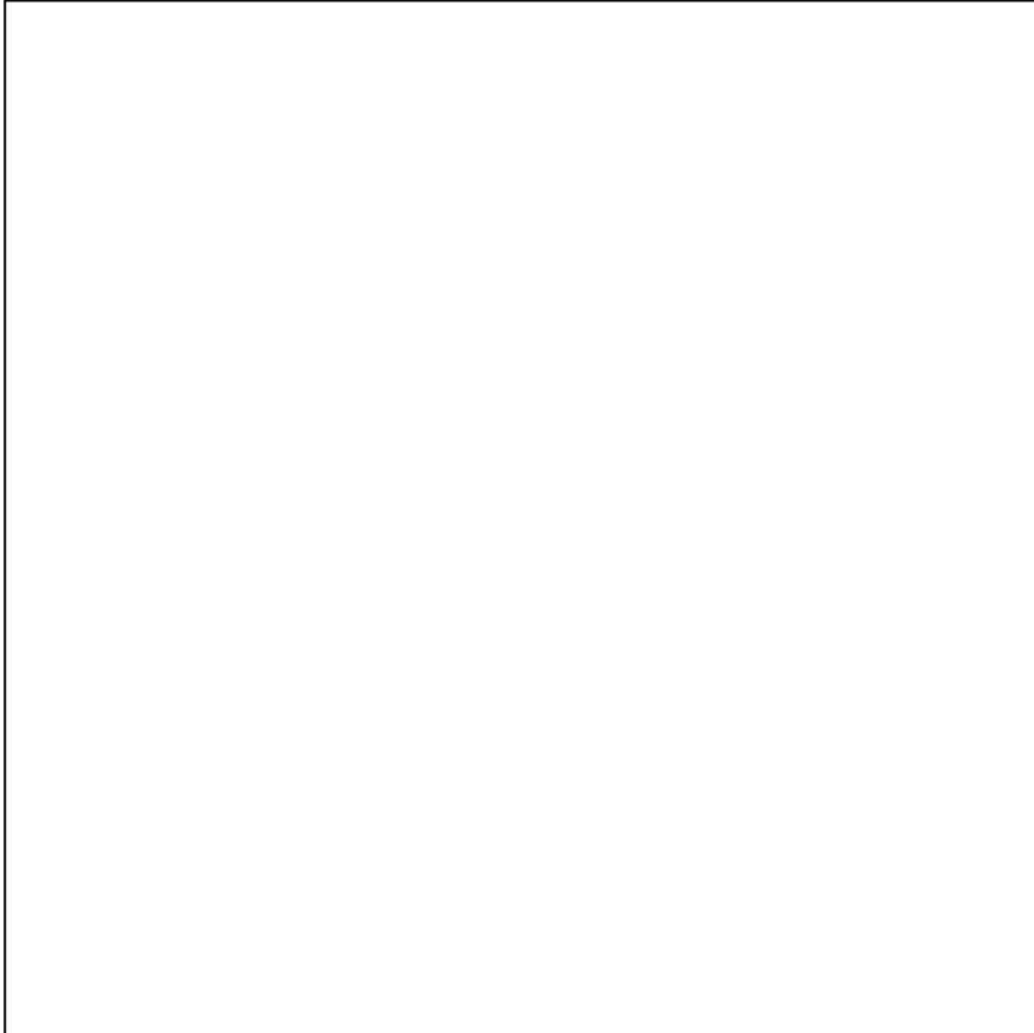
5. गतिविधि :-

दिए गए पशु-पक्षियों के बोलने का अभिनय करो-

क. कौआ	—	ख. कोयल	—
ग. गाय	—	घ. गधा	—
ड. शेर	—	च. मेंढक	—

6. चित्र बनाओ।

तितली, मछली



क्या है उसका नाम ?

71

7. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं – लिखो ।

पक्षी

जानवर

8. परिवेशीय पहेलियाँ बच्चों से बुलवाएँ –

कम से कम दो पहेलियाँ बच्चे घर से पूछकर आएँ ।

9. विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो ।





पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे



लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा— “भागते क्यों हो?”



नरेन्द्र बोला— “क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।” उस व्यक्ति ने कहा— “डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।”

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया।

नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।



शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	मशहूर	सज्जन	=	अच्छा आदमी
हिम्मत	=	साहस	साहसी	=	निडर होने का गुण
मुकाबला	=	सामना करना			

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

- क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?
- ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?
- ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?
- घ. अगर बालक बंदरों से डरकर भागता रहता तो क्या होता ?
- ङ. अगर कुत्ता तुम्हारे पीछे दौड़े तो तुम क्या करोगे ?
- च. स्वामी विवेकानंद भारत के महान पुरुष थे। अपने प्रदेश के किसी एक महापुरुष का नाम बताओ।

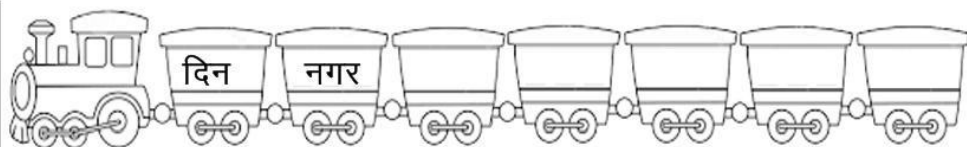
2. नीचे अधूरे शब्द दिए गए हैं। ढ़, ङ़ लिखकर शब्द पूरे करो–

- | | | |
|--------------|-------------|--------------|
| 1. च..... | 2. प..... | 3. ब..... |
| 4. च.....ना | 5. प.....ना | 6. ब.....ना |
| 7. दौ.....ना | 8. ल.....का | 9. पक.....ना |

3. नीचे लिखे कथन तुम्हारे अनुसार सही हैं या गलत। लिखो।

- | | |
|--|---------|
| क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। | (-----) |
| ख. बंदर नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। | (-----) |
| ग. बंदर नरेन्द्र से डरकर भाग गया। | (-----) |

4. आओ शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –



परिशिष्ट

विभिन्न भाषाओं की शब्दावली

हिन्दी	छत्तीसगढ़ी	गोंडी (दंतेवाड़ा)	हल्बी	गोंडी (कांकेर)	सरगुजिहा	कुँडुख
पाठ-2 गुड़िया रानी की शादी						
सहेलियाँ						
मित्रता	मिताई	संगवारि	मित	गोत	संगता	संगवारी
गुड़िया	पुतरी	नुनी	पुतरी	पुतरी(खिलौना)	पुतरी	पुतली
गुड्डा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतरा	पुतला
बगीचा	बगाइचा	—	बाड़ी	बनबाड़	फुलवारी	बगीचा
पास-पास	तीर-तीर	—	लगे-लगे	हेरे-फेरे	लिघे-लिघे	हेददे-हेददे
तय करना	तय करना	—	सोर-होलोर	कूर-कियना	नितुर	तय नन्ना
शादी	बीहाव	—	विया	मरमिंग	बियाह	बेंजा
जुट जाना	जुटना	लगेम आयनाद	भिड़ना	—	जुटना	लगना
माँ	दाई	—	टोपा	लगे-मायना	दाई	अयंग
मदद माँगी	मदत माँगना	सहायता तलकानाद	सायता मांगली	संगतलिकत (स्त्री)	मदेत मांगीस	सहाड़ा-नेया
निमंत्रण	मदत माँगिस	करगंनाद	नेवता	केयना कबीर	नेवता	नेवता
फूल	फूल	फूंगार	फूल	मुगार	फूल	पूप
माला	माला	नेरेक	माला	नेर्क	माला	माला
भैया	भइया	दादा	दादा	दादा	ददा	कोहां दादा
मिठाई	मिठाई	मिटेय	मिठई	सरबोन	मिठई	मिठाई
घर	घर	लोन	लोन	लोन	घर	एड़पा
पंडित	महराज	—	वामन	—	पंडित	बैगा
ढोलक	ढोलकी	—	ढोल	—	ढोलकी	ढुलकी
बधाई गाना	बधई गाना	—	—	—	बधाई गाना	बेंजा डण्डी
पाठ-3 कौन बोला म्याऊँ						
पिल्ला	कुकुर के पिला	पुसाल पिल्ला	कुकुर पिला	पीला	छउवा	अल्ला खदो
उठ बैठा	उठ के बइठगे	तेदी उदता	उठुन बसलो	तेदस् उदीतूर	उइठ बइठिस	चोचा ती उकिया
झाड़ी	झाड़ी (झाड़ी-झखरी)	झिपते	लाटा	टुट्टा	झुरमुट	खोप्पा
खाट	खटिया	कटूल	खटेया	कट्टुल	खाटी	खटी
इधर, उधर	एती-ओती / एती-उती	इके-आके	ए बाट-हुन बाट	हिकके-होक्के	इते उते	अतरा- इतरा
चूहा	मुसवा	उप्पे	मुसा	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा
सोना	सुमना / सुतई	गुड़तेनद	सोवतोर	हुंजना	सुतना	खंदरना
देखना	देखई / देखना	उड़नेद	दखतोर	हूड़ना	देखेक	ऐरना
कूदना	कुदई / कूदना	लंगनेद	कुदतोर	डेवना	कूदिस	डेगना
सो रहा था	सुते रहिसे / रहीसे	गुड़सो मतोर	सोवते रए / सोवते रलो	हुंचोर मंदूर	सुतत रहिस लगिया	खंदर:आ

देखा	देखिस	उड़तान	दखलो	हूड़तान	देखिस	इरिया
कूदकर	कूदके	लंगीमेंज	कुदुन	डेवस्	कूइद के	डेगअःरकी
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	सड़ा/सड़ह
कोई नहीं	को नो नहीं	बेनो इले	कोनि नाई	बोरे हिलेर	कोनो नियो	ने हूं-मला
सामने आना	आघू आना	मुन्नेवर	पुरे एतोर	मुन्ने वायना	आगू आ	मुन्धवारे बरना
उठ बैठना	तेदी उदना	उठुनबसतोर	तेदस उदना	तेदस उदना	उठ बैठिस	चोअना ती ओकना
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
सामने आया	आघू अइस	मुनेवतोर	पुरे इलो	मुन्ने वातूर	आगू आइस	मुंघवारे बरचा
पूछना	पुछई/पूछना	पूछीकियना	पुछतोर	पूचेमायना	पूछ न	मेन्ना
पूछा	पूछिस	पूछीकितीन	पुछलो	पूचे मातूर	पूछिस	मेंजस
बोलना	बोलना/बोलई	केतना	बलतोर	इंदना	गुठियाना	बअःना
बोलता हूँ	बोलत हौं/हँव	केतितान	बलु आँय	इंतोना	गुठियाथों	बअःदन
मेमना	छेरी पिला	मेमना	छेरि पिला, मेण्ड पिला	चितरलपैया	पठरु	पठरु
फूल	फूल	पुंगार	फुल	पुंगाई	फूल	पुंप
पौधा	राई	करै	बुटा	पोदेला	पउधा	खोप्पा
पौधे	राईमन	पोदला	बुटा मन	पोदेलंग	पउधा मन	खोपद
पहुँचना	पहुँचना / हबरना	एवदना	अमरतोर	अव्ना	लमरना	अंडसना
पहुँचा	पहुँचगे/हबरगे	एवतोर	अमरलो	अवतूर (पु.)	पहुचिस	अंडसिया
मधुमक्खी	मँवर मछेर	उरवे	ओण्डार माछि	पूकवीस	रस माई	तीनी, भौरो
बैठना	बइठना	उदना	बसतोर	उदना	बइठबे	ओक्कना
बैठी थी	बइठे रहिस	उदीमता	बसुन रए / बसुन रली	उदसमत्ता	बइठे रहिस	उक्कीचा
तालाब	तरिया	कूट्ठा	तरइ	तड़य	तलवा	पोखरा
किनारे	तीर	उटूल	कठा, रेठे	ओदा	धरी	धरी नू
मेंढक	मेचका	पंडे	मेण्डका	पन्ने	बेंगचा	मूंखा
चूजा	चियाँ/ चिरई पिला	चूजा	चियाँ	पीसे	चियां	चियां
बछड़ा	बछरु	पिल्ला	बाछा	कोंदापैया	बछरु	बछिरा
छौना	जिनावर के पिला	छौना	चितर पिला	बेड़पीला	छानी	चितरा खद्द
कुत्ता	कुकुर	नय	कुकुर	नय	कुकुर	अल्ला

मुगी	कुकरी	कोर	कुकड़ी	तलुर कोर	मुरगी	खेर
भेड़	भेंड़ी	मेंडा	मेण्डि	बेड़	भेड़ी	भेण्डो
गाय	गाय	गोड	गाय	टाली	गरु	गाय
हिरन	हिरना / हइना	लूप	चितर	चितरल	हरिन	चितरा
पाठ-5 चालाक चीकू						
चार	चारों कोती / चारों डहर	नालू	चार	नालुंग	चायर	नाख
बिल्ली	बिलइ	पुसाल	बिलइ	बिल्लय	बिलाई	बेरखा
बिल्लियाँ	बिलइमन	पुसाली	बिलइ मन	बिलईग	बिलाई मन	ढेर बग्गे बेरखा
मिलकर पकड़ना	मिलके धरना, धरइ	कालसमेंज पोयतना	मिसुन धरतोर	मीलेमास पैयना	जुटके धरना	जुमररकी धरना
पकड़ा	धरिस	पोयतोर	धरला	पयतूर	धरिस	धरचा
खाना	जेंवन	डोडा	खातोर	तिंदना	जेवन	मोखना
खाऊँगी	खाहूँ	तिन्तान	खायन्दे	तिंदका	खाहू	मोखोन
सभी	सबे, सब्बो, जम्मो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पय	सबझन	ओरमर
झगड़ा	झगरा	मुंडाड	झगड़ा	वहचना	झगरा	अरबानखरना
मौसी	मोसी	कुची	मावसी, नानी आया	कूच यायाल	मोसी	मुसी
मौसियाँ	मोसीमन	जमाय कुची	मावसी मन, नानी आया मन	कूच यायाह	मोसी मन	मूसीबगर
आपस में	एक दूसर ले / आपसी म	झपसते	एक-दुसर संगे	एर-ओर	अपन मे	तंगआ मझिनु
नीम का पेड़	नीम के रुख	नीम था मराम	लीम रुख	कैयले लीम	लीम कर रुख	नीम ही मन्न
खड़ा है	खड़े हे / ठाढ़े हे	नित्ता	उबा आसे	नितीतोर	ठढ़ोइस हे	इज्जकीर:ई
छूना	छूना / छुवइ	केटा	छिया	इट्टाना	छूइस	ऐसेरना
छूकर	छूके	केटीमेंज	छिउन	इट्स	छूइ कर	ऐसेरअरकी
जाना	जवइ	अन	जाहा	दायना	गइस	काना
जाकर	जाके	अनजमेंज	जाउन	हंज	जाएके	कालरकी
उसको	ओला / वोला	ओन	हुनके	ओन	ओला	आदिन
हिस्सा	हिस्सा / बाँटा	भागा	भाग	बाटा, वाचा	बांटा	बटा
बाँटना	बैटइ	तुसना	बाटतोर	तूसना	खेजा	खट्टना
बाँटे	बाँटिस(एकवचन) बाँटिन(बहुवचन)	तूसतोर	बाटला	तूसीट	बाँटिस	खट्टियर
मूर्ख	मुरुख	मूर्ख	भकवा, मुरुख	होगंटाहल	बोया	बोका
समझ	समँझ	लेजा	समंज	पुंज	बुझ	बूझ
समझना	समझथँव	समझेमयना	समजा	पुंदाना	समझाइस	बुझूरना
सरपट	पल्ला	सरपठ	सरलगा	सरपड़	सरसराय के	चांढ़हे
दौड़	दउड़	मिरना	परातोर	वित्ना	दउड़	बोंगना

बिल	बिला	बोहका	बिल	बूका	बिला	लाता
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भितर	भितरे
भागना	भगड़	मिरना	परातोर	वित्ताना	भाग	बोंगन
भागा	भागिस	मिरतोर	परालो	वित्तीतूर	भागिस	कोरच
अपनी	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तगहै
अपना	अपन	तनवा	आपन चो	आपुना	मोर	तंगआ
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
जान बचाना	जीव बचड़	जीवा बचाकिना	जीव बचातोर	जीवा पिसहना	जीव बचाइस	जिया बछाबअःना
जान बचाई	जीव बचाइस	जीवा बचाकिता	जीव बचालो	जीवा पिसीहत	जीव बचाइस	जियान बछाबचास

पाठ-6 चींटी और हाथी

रानी	रानी	श्रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
चींटी	चाँटी	पेत्तें/गोड़ो	चाटि	होर	चांटी	पोक
भोजन	जेवन	तिन्देनद	खाद-कोण्डा	गाटों	जेवन	मण्डी
तलाश	खोज	मेहकना	डगर	पड़कना	ढुंढे	बेददना
रोज	रोज	दिनाल	रोजे	रोज्जे	रोयज	उरमी, उल्ला
जंगल	बन	गुपा	रान	कोट्टुम	पहार	टोडंग
सभी	सबो	जमाय	सपाय, जमाय	सपाय	सबला	ओरमर
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
दिनभर	दिनभर	पयालपोड़द	दिन भर,	मुल्लनह,	दिनभेर	उल्ला भइर
घूमना	घुमई किंदरई, गिंजरई	तिरयना	बुलतोर	वलियना	किंदरना	कूददना
तोड़ना	टोरइ	देहतना	टुटातोर	देहना, ओहना	टोरना	एस्सना
तोड़ता	टोरत	देहतिता	टुटाए	दोहच	टोरना	इसई
फेंकना	फेंकई	एसना	पकातोर,	वाटना फिङ्गतोर	सरकना	हेबेड़ना
फेंक देता	फेंक देवय	एसीता	पकाउन/हिबड़ी	वाट्समनेना फिङ्गुन देये	झटक देहीस,	हिबड़ी
लंबी	लम्हरी	लट्ट	लाम	लाट	लमा	दीगहा
सूँड़	सोंड़	सूँड़	चोण्डा	होण्ड	सूड	सोंड़हे
भरना	भरना/भरइ	निहतना	भरतोर	निहना	हिंचना	निंदना
भरता	भरय	निहतिता	भरे	निहेना	भरेल	निदई
नहाना	नहइ	एरमियना	नाहातोर	मियना	असनान	एमना
नहाता	नहावय	एरमिता	नाहाए	मियेना	असनानीस	इमईः
जानवर	जिनावर	जानवर	पसु, जियाद	काजेर	जनावर	जऊन्त
जानवरों	ढोर	माल-माता जियाद मन	पसु मन,	काजेरक	जनावर मन	जऊन्त गने
धक्का-	धक्का-मुक्की	धक्का-मुक्की	ठेगला-मसका	दकंग-दुमड़िम	हेला हेली	तुकुर मुक्की नखरना

मसलना	रउँदना	रगड़ाकिना	रमंदतोर	पिस्कना	रमूंदना	गिमचःअना
मसलदेता	रउँद देवय	रगड़ाकिता	रमदुन देये	पिस्केना	रंमूद देहिस	गिमचीःई
डरना	डेराना, डेरइ	वेरतना	डरतोर	वर्रियना	डरना	एलचना
डरता था	डेरवयय	वरसमथा	डरे	वर्रियदान	डरत रहिस	एलचा लगिया
तंग	परेसान, परसान	तंग	लाग, अस्कट	पिसकाट	उदबास	डाह
एक दिन	एक दिन	ऑड दिना	गोटक दिने	उंददिया	एक रोज	ऑंदउल्ला
बात	गोंठ	भाता	गोठ	पल्लो	गोयठ	कत्था
मिलना	मिलइ	दोरकना	भेटतोर	मीलेमायना	भेटाना	भेंटारना
मिली	मिलिस	दोरककता	भेटली	पुट्त	भेटाइस	भेटारा
सताना	परसान करना	सताकियना	लागतोर	डंड कियना	डाहना	डाहना
सताते हो	परसान करथस	सताकितिन	लागु आस	डंड कियातोन	डाहथस	डाहदी
ठीक	सहीं	नला	नंगत, निको	सत्तेय, बेस	सही	बेस
चुपके से	चुपे चाप	कोटो	ओगाय	कमेक	कलेकस	कले-कले
छोटा	नानकुन	छुडला	नानी	हुडिलोर	नान	सन्नी
छोटी	नानकिन	छुडला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
जान	जीव	जीवा	जीव	जीवा	जीव	जिया
बित्ता भर	बीता भर	बित्तामेंड	भिताएक	बित्तामेंड	नानकुन	बिताभइर
जुबान	जीभ	माटा	टोण्ड	लेंग	जीभ	बई
मर्जी	मरजी	मर्जी	मन	बिच्चर	मन	मरजी
शेर	सेर	डुवाल	बाग	नीराल	बघवा	लकड़ा
हँसना	हँसई	कवदना	हाँसतोर	कवना	हंसी	अलखना
हँसकर	हाँस के	कवसमेंज	हाँसुन	कवस	हंयेस के	अलखरकी
अक्ल	अक्कल	बुद्ध	बुद	गोक	अकील	लूर
दम पर	बल म	दमते	बल ने	लाव दे	असान ले	संवागती
मुखिया	सियान	मुखिया	मुखया	मूड़िया	घर गोसिया	उरबस
घास	काँदी	रोंडा	रोण्डा	रोंडा	बन	घांसी
छिपना	लुकइ	मिंजना	लुकतोर	मक्काना	लुकना	नुखुरना
छिप गई	लुकागे	मिंजता	लुकली	मक्त	लुकाह गइस	नुखरा
चुपके से	चुपेचाप	आयोने	खुसखुसा	कुस-कुसा	कलेकस	कले कले
घुसना	खुसरगे	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	डुंकिस	कोरना
घुस गई	घुसरगे	नेगता	ओलली	होड़ियत	डुंक गईस	कोरचा
अंदर	भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतरे	भितरे
काटना	चाबना	कचना	चाबतोर	कदना	काटिस	परमना

परेशान	परसान	परेशान	बिरबिरा, हरयान	पिसकाट, कंजहाट	उदबास	ससईत
पटकना	पटकइ	पटकाकिना	अपटतोर, कचाड़तोर	हुक्काना	पटकिस	पखड़अःना
पटकी	पटकिस	पटकाकिता	अपटलो,	हुक्त	पटकिस	पखड़अःचा
			कचाड़लो(पुस्तिक किमा, (रत्नी) कहानी के अनुसार)			
फूँक	फूँक	डदना	फुक	ऊहका	फूँक	ऊरना
जुगत	जोखा	जुगत	जुगाड़, उआट	तरीका, उपय	जुगाड़	उपाय
चीख	चिचियई	तुमना	किरकिरइ	किरी	गोहार	चिचियारना
रोना	रोवइ	केयना	गागतोर	किल्लाना	रोआसी	चीखना
रोते हो	रोवत हस	केयितिन	गागु आस	किलायतोन	रोवत रहिस	चीखदय
माफ करो	माफी दे	माफकिम	माफी देस, खेमा कर	माप कीम, कसूर माप	छमा करा	माफनना/ढ़प्पी
सताना	पदरिया के	सताकिना	लागतोर	डंड कियना	डहेल	डाहना
सताऊंगा	परसान करहूँ	सताकितान्	लागेन्दे	डंड कियका	डहथे	डाहओन
मानना	मनइ	मानेमायना	मानतोर	माने मायना	मानीस	मेन्ना
दादा	बबा	दादी	दादा, गुंडा	दादाल	बाबा	अज्जो
जमाना	कप्पी	जमाना/रोत्	समया	जुग	जबाना	परिया
बदलना	बदलइ	बदलाकिना	बदलतोर, पलटतोर	बदले मायना	बदलिस	बदलाअरना
बदल गया	बदल गे	बदलेमता	बदलली,पलटली	बदले मात	बदल गईस	बदलारा
हामी भरना	हुँका पारना	—	होय बलतोर	डोंग हायना	राजी भरिस	हॉ बअना
हामी भरी	हुँकारु पारिस	हो इंदना	होय बललो	डोंगहात	राजी भरिस	हॉ बाचा

पाठ-7 एकता का बल

पीपल	पीपर	आली	पीकड़	आल	पिपर	पकरी
कबूतर	परेवा	बोडे	परेवाँ/परेयाँ	पारेवा	परेवां	पेरंवा
खोजना	खोजइ	मेहकना	डगरातोर, खोजतोर	पड़क्ना	खोजबे	बेददना
खोज	खोज	मेहका	डगर	पड़क्स	खोज	बेददना
लौटना	लहुटइ	वायना	फिरतोर, बोहड़तोर	मलाना	फिरना	किरना
लौट आते	लहुट आवै	मलसक्ता	फिरोत, बोहड़ोत	मल्सवायेर	फिर आईस	किरीबरई
उड़ने पर	उड़े के बेर	तेड़ीमेंज	उड़ले	परियतेक	उड़ के	उड़ियारआरबी
दाना	दाना	दाना	दाना	पड़ेम	अन्न	चरा
बिखरना	बगरना	अलना	बिखरी होतोर	लीकाना	बगरना	बीड़ना

बिखरा	बगरे	अलता	बिखरलोर	लीकीआत	बगरी	बिड़िरका
बूढ़ा	सियान	मूयतोर	डोकरा	मुदियाल	सियान	पचगी
ठहरना	राहवन—राहव	केपी	थेबतोर	रोमना	रुकवे	इज्जना
ठहरो—ठहरो	रहा—रहा	—	थेबा	रोमा—रोमा	रुक	इजआ
चुगना	चुगना	—	चरतोर	पेहकना	चुगना	मोखना
चुगने लगे	चुगे लागिस	चरुक धरला	चरुक मुरयाला	पेहकंदूर	चुगे लागिन	मोखा हेल्लरर
पेट	पेट	पोट्टा	पेट	पोटा	ढाढ	कूल
पेट—भर	पेट—भर	पोट्टामेंज	पेट भर	पोटा मेंड	ढाढ भर	कूल उड़ना
फँसना	फँसइ	इरकना	लटकतोर	हिराना	बाझना	बझरना
फँस गए	फँसगें	इरकता	लटकला	हिरतूर	बायझ गईस	बझरा केरा
चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किरी	किरलाना	चिचियाराना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लागिन	केयनोर धरला,	चिचयाउक लागिस	किरी हियना हेलरर	किरलाय चिचयाउक	चिचियारा मुरयाला
बहेलिया	सिकारी	वेटातोर	बनवा, पारद बिता	पिटेंग हवकवाल	बिलहोर	ओड़ा धरऊ आलस
घबराना	डेराना, डेरइ	वेरस	डरतोर	वरियाना	घबराबे	एलचना
घबराओ मत	डेरवव झन	वेरयमा	नी डरा मत	वरिया	झिन घबराबे	अमा एलचा
जोर लगाना	बल लगइ बअना	जोर लगाकिना	बल लगातोर	लाव कियना	बल लगाबे बअना	सवंग लगा
जोर	जोर	जोर लगाओकिन	बल लगावा, बपु करा	लाव (बागुर)	बल लगालगओ	सवंग लगा बाचा
जाल	फाँदा	जाल	जाल	राई	फांदा	जल्ली
टूटे—फूटे	टुटका—फुटका	डरगता—मिरगता	टुटलो—फाटलो	ओरलेंग	टूटल—फूटल	खोटोरक
मकान	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
इशारा	इशारा	इशारा	इंगित	किशिमना	कनकी	ऐदना
धन्यवाद	धन्यवाद	धन्यवाद	—	जोहारआई	धन्यवाद	बाम्मे
क्षमा	माफी	माफी	छमा, खेमा, माफी	मापी	छमा	क्षमा, ढापी

पाठ—8 कौन ?

दिशा	दिसा / डहर	—	दिसा, बाटे	वड़का	खुंट	दिशा
निर्मल	साफ / फरी / आरुग	निर्मल नाहलो	सफा, मईल	निरकुल	फरी	सफा

नदियाँ	नदिया मन	कुये	नंदि मन	डोडक	नंदी मन	खाड़
जग	दुनिया / जग	दुनिया	सँवसार	बुम, दुनिया	भव सागर	धरती
प्यास	पियास	एरउंडावेयतना	पियास	उन्डावसले	पियास	ओनका
मीठा	मीठ / गुरतुर	मीगंता	मीठ	मिरंगुल	गुरवाँ	एम्बा
मीठे	मीगंताव	मीठ मन	मिरंगलेंग	मिरंगले	गुरवाँ	तीनना
झरना	झरना	झरना	झरन	गोदोरका	घाघी	पझरा
झरने	झरना मन	—	झरन मन	गोदोरकांग	घाघी मन	पझरा
हरियाली	हरियाली	—	रुख—राई	लह लहेमाले	हरियर	हरियर
बादल	बादर	मोयोल	बादरी	गूहरा	बदरी	बदाली
नभ	अगास	—	सरग	बुम, दुनिया	अगास	मेरखा
इंद्रधनुष	इंद्रधनुष	भीमालविल	इंदर धनु,	डोमा विल्ल	बीरो धनउ	बोरा
रचना	बनाना	माड़ना	बनातोर, गडतोर	पंडाना	रचना	गड़ना, कमना
रच	बनना	माड़ा	बनाव, गड़	पंड्स	रचा	गड़या
प्रश्न	सवाल	प्रश्न	प्रश्न	जबान	परसन	मेनता

पाठ-9 मिट्टी

गाँव	गाव	नार	गाँव	नार	गाँव	पददा
गली	गली	गुडेम	खोर	गली	कोली	डुला
खेत	डोली	वेडा	बेड़ा	वेड़ा	खेत	खल्लों
मिट्टी	माटी	तोड़्य	माटि	तोड़िय	माटी	खज्जों
बूँद	बूँद	बोटक	बुंद	डोंगे	टिपा	टिप्पा
महकना	ममहाना	महक	बासना	दैयंगले	बसना	चःअना
महकी	ममहाइस		बासना दिली	दैयंक्त	बसाइस	चांअचा
सोधी— सोंधी	सोंध—सोंध	सोधी—सोंधी	माटि चो बासना	दैयंगले— दैयंगले	सोंध—सोंध	सोंधहा
बोझ	बोझा	बोझा	बोज, बोजा	बोजा	बोझा	ओत्था
मोल	मोल	मोला	मोल	मोला	पटाए	दाम
सलोने	साँवरे	सलौने	सुंदर	सजेमाले	सुघर	दौ—दौ

पाठ-11 मड़ई मेला

गाँव	गाँव	नार	गाँव	नार	गाँव	पददा
मड़ई मेला	मड़इ मेला	मंडई करसाड	मण्डई	मंडेय	मिलन मड़ई	मड़ई—जतरा

सुबह	बिहनिया	नरकोम	बिहान	नरकीय	बिहान	पइरी
जाना	जवई	दायना	जातोर	दायना	जाबे	काना
जाने के	जाए बर	दायनिक	जातो काजे	हंदला	जायबर	काला गे लिए
तैयार	तियार	तिहार	तियार	जोंग	तियार	तेयार
तेल	तेल	निय	तेल	निय	तेल	इसुंग
कंधी	कंधी	इच्चाड़	कंगी	कंगी	ककई	बधीरका
बच्चे	लइका मन	पितला	पिला मन	पीलंग	लइकामन	खददर
सभी	सबे, सब्बो	जमाय	सपाय, जमाय	सप्पाय	सबझन	ओरमर
खाना	जेंवन	डोडझ	भात—पेज (भोजन के अर्थ में)	गाटो	जेवन	मण्डी
खाकर	खाके	तिंजमंज	खाउन	तिंज	खायके	ओनर
देखना	देखइ	उड़ाना	दखतोर	हूड़ना	देखबे	एरना
चल पड़े	रेंगे ल धरिन	अत्ता	हिण्डुक धरला, हिण्डुक मुरयाला	हतूर	रेंग देहिन	चइल केरर
करीब	तीर म	आ पेरके	लगे	हेरे	लिघे	हेददे
पहुँचना	पहुँचई	पवदना	अमरतोर	अवना	पहुचिस	अड़सना
रहँचुली	रहचुली	मत्ता	रांहटा	रहटोली	रेहट	रमडिलवा
आवाज	अवाज	लेंग	गरजन	लेंग	अखोर	गूल
सुनना	सुनइ	केंजना	सुनतोर	केंजना	सुनबे	मेन्ना
सुनाई पड़ने लगी	सुनाए ल धरिस	केंजनानोर	सुनुक होली	केंजिहंद	सुनाई देइस	मेंदरआलगिया
जल्दी	झटकुन —जल्दी	उभय—उभय	झटके—झटके,	सांडे—सांडे झपके—झपके,	हालू—हालू	चांडहे —चांडहे
झूलर	झुलना	उयल	झुलना	रहटोली	ढेलवा	ढिलवा
पास	तीर	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेददे
कूदना	कुदइ	लग्ना	कुदतोर	डेवना	तरकना	डेगना
कूद पड़े	कूदिन	लग्तोर	कुदला	डेवतूर	तरक देहिन	डेगचर चिच्चर
शुरु हुआ	सुरु होइस	शुरु अत्ता	मुर होली	मूड़आत	ओर होइस	ओरे मन्जा

चिल्लाना	चिचियइ	केयना	चिचयातोर	किरीहियना	चिकरना	चिचियारना
चिल्लाने लगे	चिचियाए लगिन	केयनोर	चिचयाउक धरला, चिचयाउक मुरयाला	किरीहिया मूड़ कीतुर	चिकरे लागिन	चिचियारआ हेल्लर
डर	डर	वेरयाना	डर	वरे	डर	एलचना
मुँह	मुँह	टोड	मुँहु	टोड	थोथना	बई
छुपाना	लुकइ / लुकाना	मिसाना	लुकातोर	मोकहना	लुकाना	नुड़ना
छुपा लिया	लुका लिस लुकाए लेहिस	मिसतोर	लुकाली(स्त्रीलिङ्ग) लुकालो(पुल्लिङ्ग)	मोकिहतूर	लुकाए लेहिस (उभयलिङ्ग)	नुड़चर
आगे बढ़े	आगू लिस	मुन्ने अत्तोर	फयले गेला	मूनेक हत्तूर	आगू बढ़	मुन्धवारे केर
दफड़ा	दफड़ा	डफड़ा	डफली बाजा	डबरा	डफला	डफला
निशान	निसान बाजा	चिन्ह	बाजा	सीना	चिन्हा	चिन्हा
मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहरी	मोहिर	मोहरी	मोदरी
बाजे	बाजा मन	डोल्क	बाजा मन	नेक्ना	बाजा मन	बाजा
सुंदर	सुग्घर	सोभा	सुंदर	सोबले	सुघर	दौ
रंग बिरंगी	रंग बिरंग	रंग-रंगता	रंग-रंग चो, भिने-भिने रंग चो	आनित-बानि	रिक्किम रिक्किम	रिंगी-चिंगी के रंग
पोशाक	ओढ़ना कपड़ा	गिसड़ी	पिन्दतो कपड़ा, पिन्दतो फटड़ा	साजु	ओढ़ना	किचरी
फूल माला	फूल माला	फूंगानेरक	ढोण्डा-माल	पुंगाई नेर	फूल-माला	फूल-माला
सजे	संभरे	सजे	सिंगार होलोर	सजेह	सजाल	अईनका
समूह	दल	रोत्	गोहड़ा	कुप्पा	दल	खोड़हा
नाचना	नचइ	एडना	नाचतोर	ऐंदना	नाचबे	नलना
नाचते हुए	नाचत-नाचत	ऐंदो	नाचते	एदसोर	नाचत	नलते
मुखिया	मुखिया	मुखियान	मुखया	मूड़िया	सियान	उरबस
हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेक्खा
परघाकर	परघा के	परघाकिस	परघाउन	पड़गेह कीस	परिघायके	पड़रघअरकी
गाड़ना	गड़ियाना	गाड़ाकिना	गाड़तोर	मिसना	तोपना	गड़ना
गाड़कर	गड़िया के	गाड़ाकिस	गाड़ुन	मिस्स	तोपकर	गड़अरकी
पूजा करना	पूजा करइ	पूजा कियना	पुजा करतोर	सेवा कियना	पूजा करना	पूजा नन्न

तरह-तरह	आनी-बानी के	अलग-अलग	बानि-बानि	आनित-बानित	रिकिमरिकिम	अरन-बरन
दुकानें	दुकान मन	दुकानी	दुकान मन	दुकानींग	दोकान	बग्गे दोकान
रंगीन	रंगीन	रंगता	रंग बिती	रंगता	रंग	रिगी-बिगी
फुगगे	फुग्गा	फूंगा	फुगा मन	फुगंग	फूगग लाडू	बग्गेम फुगा
गुलगुला	गुलगुला	गुलगुला	गुलगुजा भजेया	गुल-गुला	गुलगुल	गुल-गुला
भजिया	भजिया	भदिया	भजेया	बजिया	भजिया	पकोड़ी
लाडू	लाडू	लाडू	लाडु	लाडू	लड्डू	लड्डू
करी लड्डू	करी लाडू	कारी लाडू	केरी लाडु	सेव लाडू	लड्डू	करी लड्डू
खरीदना	बिसाना / बिसइ	असाना	घेनतोर	अस्ना	बेसाना	खेंदना
खरीदे	बिसइन	असतोर	घेनला	असतोम	बेसाय	खींदिदयर
खाना	खवइ	डोडा	खातोर (क्रिया)	तिंदाना, गाटो	खाना	ओनना
जलेबी	जलेबी	जलेबी	जलबी	जलेबिंग	जलेबी	जिलेबी
बड़ा सा	बड़े जन	बिरया	बड़े असन	बरहाय	रोट ले	कौहम
गन्ना	कुसियार	गुड़ाडांडा	डाण्डा	डांडा	कुसियार	कतारी
टुकड़े	टुकड़ा	तुकडा	गोन्दा मन	कुटकंग	टूटका	खंडा
चूसना	चुहकना	चूसाकियना	चुहरतोर	हुहकना	चूसना	चीपना
चूसते रहे	चुहहत रहिन	चूसाकिसोमनोर	चुहरते रला, चुहरते रोहोत	हूहकसोर	चूसत रहिस	चीपते रहचर
खिलौने	खेलउना	करसनाव	खेलतो सज मन	करसानंग	खेलोना	बेचना आलो
जहाज	जिहाज	—	जाहाज	जहेज	चिकरे लागिन	घटोला
गुड़िया	पुतरी	—	पुतरी	पुतरी	डर	पुतली
रेल	रेल	रेलगाड़ी	रेल	रेल	थोथना	रेलगाड़ी
मोर	मँजूर	मल्ल	मंजुर	मल	मंजुर	मिंजुर
कार	कार	डुंगर गाड़ी	कार	जीप	कार	कार
बड़ी-बड़ी	बड़े-बड़े	बिरया-बिरया	बड़े	हजोर, बेहरा	आगू बढ	कोहां-कोहां
गेंद	पुक	गेन्द	उचुदना	कुडवाल	डुला	गेंदा
घूमना	किंदरना	तिरयना	बुलतोर	वल्लीयना	चिन्हा	कुद्दना
घूम- घूमकर	किंजर-किंजर के	तिरयी-तिरयी	बुलुन-बुलुन	वल्लियस- वल्लियस	मोहरी	कुद्दा-कुद्दा

सामान	सामानी	जमक, सज	जिनिस, तिज	बीडार	बाजा मन	आलो
एकत्र	जुरियाए	जमा जुहालोर	रुण्डालोर,	गूडहना रिकिम के रंग	रिकिम	जुमरअर
वापस	लहुट	आपस	बोहड़, फिर	मलहना	ओढ़ना	किरर
घर	घर	लोन	घर	लोन	फूल-माला	ऐड़पा
खुश	खुस	खुश	हरिक	गिरदा	खुस	रिज्झ

पाठ-12 ऊँट

ऊँट	ऊँटवा	ऊँट	ऊँट	ऊट	ऊंट	ऊंट
चलना	रेंगइ	तातना	हिण्डतोर	ताकना	रेंगना	एकना
चला	रेंगिस/चलिस	ताकता	हिण्डलो	हत्त	रेंगा	इकिया
हिलना	डोलना/डोलट / हालई/हलइ	हिलेमयना	हालतोर	मलयाना	डोलना	हिलरा
हिलता	दोलत/हालत	हिलेमासो	हालते	मलियसोर	डोलथे	हिलीरते
डुलना	डुलना	डुलेमयना	डुलतोर	गूडना	डुलना	डोलारना
डुलता	डोलत हे	डुलेमासो	डुलते	गूडसार	डुलथे	डोलोरते
इतनी	अतेक	इच्चोर	इतलो/इतरो	इच्चो	इतना	एतेक
लम्बी	लम्हरी	लाठी	लाम	लाट	लम्मा	दीघहा
टाँगों वाला	गोड़ वाले	कालक नाव	पाँय बिता	लॉटकाल्क बित्ती	टंगरी दार	खेड़डे मइदका
ऊँची	ऊँच	पोरो	डेङ्गी	डेंगल	उच	मेच्छा
गर्दन	गर/गला	गुडगा	टोडरा	टोडर्रा	ढेटू	खेस्सेर
बालू	रेती	बालू	बारु, कुदुर	मनुम	रेता	चलकूर, धुली
ढोना	डोहारना / डोहरइ	एड़ज	बोहतोर	टडियना	डोहना	चेड़ना
ढोने दो	डोहारन दव	कांजना	बोहुक दियास	टडियहीम	डोहे दा	चेड़ाचिआ
फँसना	फँसइ	कांजीम	लटकतोर	हिरना	बाझना	बझरना
थकना	थकइ	इरकना	थाकतोर	हंजाना	थकना	खड़दना
थककर	थक के	एयवीमंज	थाकुन	हंच्य	थाइक के	खड़दरकी

बैठना	बइठइ	उदना	बसतोर	उदना	बइठना	ओक्कना
बैठेगा	बइठही	उदीतिन	बसेदे	उदानूर	बैठही	ओक्को
करवट	कैरवट	ओयेरा	करवैट		करोदिया	चोख्खो
बताना	बताना/बतइ	केतना	सांगतोर	वेहना	करोठिया	तेंगना
बता सकेगा	बता सकही	केतापरदितिन	सांगुक सकेदे	वेह परानूर	बताय सकही	तेंगा ओंगोस
कौन	कोन	बेनो	कोन	बोर	कोन	ने-तगहै
भला	भला	भला	भले	दरमोती	भला	दौ

पाठ-13 आई एक खबर

अभी	अभी	इंजे	एबे	इजेक, इदेक	अझे	अक्कुन
खबर	खभर	खबूर	खबर	कबीर, कगो	खभेर	खभईर
आना	अवइ	वर	एतोर	वायना	आबे	बरना
आई	आइस	वत्ता	इली	वात	आईस	बरचा
मक्खी	मासी/माछी	गुगे	माछि	वीस	माछी	तिंगली
रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी	रानी
उसको	ओला	ओन	हुनके	ओन-तान	ओला	असीन, अदीन
लाना	लवइ	तरा	आन	ततना	लानबे	ओंदरना
लाई	लानिस	लाई	आनली	तत्	लानिस	ओंदरा
टिङ्ङा	कनकट्टा	पारंदे	थापा	पापे	फंम्फा	बोख्खो
हाथी	हाँथी	एन	हाति	हत्ती, एनी	हाथी	हथी
मारना	मरइ/मारना	रेहतना	मारतोर	हवकना	मारबे	लवना,पसना
मारा	मारिस	रेहतोर मारली (स्त्रीलिङ्ग)	मारलो(पुल्लिङ्ग) (पु.)	हवकतूर	मारिस	लवचा
क्या करता	का करतिस	बाता कितिन	काय करतो	बाता केवेना	का करतिस	एंदर ननोस
बेंचारा	बिचारा,बपरा	पापम	बोपड़ा	बिचरंगा	बपुरा	गोरगोरा
घुस बैठा	खुसर के बइठिस	ओड़ई उदता	ओलुन दिलो	होड़ियस उदितूर	ढुक बैठिस	कोरअर की उक्कियस
मटका	मरका	कुडा	हांडि	मल्ला, अड़का	गगरी	कटटू
अंदर	भीतर/भितरी	लोपा	भितरे	लोप्पा	भीतर	भीतरे

ढाई	अढ़ाई	रेंड, आधा	अड़इ	अढ़ई	अढ़ाई	अढ़ाई
बंदर	बेंदरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूंज	बंदरा	बंदरा
रुकना	थम्हना, रुकना थम्हर रुकइ	केपना	थेबतोर	रोमना	ठढ़ोना	इजना
रुकी	थम्हिस / रुकिस		थेबली	रोमा	रुकिस	इजस
आँसू	आँसू		समुंद	केनेर	आंस	खंजलखो
धारा	धार	धारा	खर	पोंगना	धार	पइड़ी
समुदर	समुन्द्र / समुंद	गोदार	लटकतोर	टड़डी	समुंदर	समुंदर
खारा	नुनछुर	ओवोर	लटकु	हवोर	नोनछु	खार
फँसे हुए थे	फँसे रहिन	इरकीमत्तोर	भितरे	हिरसमतोर	बाझे रहिन	बझरका रहचर
मच्छर	मच्छर / मँगसा	नुले	भुरसुंडि, मछड़	नुस्मे	भुसड़ी	भुसड़ी
लात मारना	लात मारना / जमाना	लात वाटना लतियइ	लात मारतोर	लात हारना	लाथना	लाथना
लात	लात	लात	लात	लात	लाथ	लाथ
कसकर	कसके	—	चमकट	कसे—कीस	कइस के	पुरकस
फूटना	फुटइ / फूटना	फिरदना	फुटतोर	ओरना	फुटिस	खोटटरना
फूटा	फुटिस	फिरता	फुटली	ओरत	फुहिस	खोटटरा

पाठ-14 चूहे को मिली पेंसिल

चूहा	मुसवा	उप्पे	हुप्पे, उप्पे	मुसटा	ओसगा	
खाने के लिए	खाए बर	डोडा	खातो काजे	तिंदला	खायबर	मोखा गे
कुछ	कुछू	छुडुक	काई	हुचुक	कांही	कटिक
ढूँढ़ रहा था	खोजत रहिस	मेहको मत्ता	डगराते रलो	पड़कसोर मतोर	खोजत रहीस	बेददालगिया
पेंसिल	सीस / पेंसिल	पिंसिल	पिन्सल	पेंसिल	पेनसुल	सीसा
उलटना— पलटना	उलटइ—पलटइ मिड़तना	तेहतमा— पलटतोर	उलटतोर— मायना	उल्टे पल्टे कलथी	अलथी—	बिड़िदना— खड़दना
मुझे	मोला	नाक	मोके	नाकुन	मोला	एंगन

छोड़ना	छोड़इ	विड़सना	छांडतोर	तासना	छोड़बे	अम्बना
छोड़ दो	छोड़ दे	विड़साठ	छांडुन दियास	तासहीम	छोयड़ दे	अम्बा चि:आ
जाने दो	जावन दे / जान दे	दाइम	जाउक दियास	हंदा—हीम	जाय दे	काला चि:आ
गिड़गिड़ाना	जोजियाना, जोजियइ	केयीकेयी	हात—पांय जोडतोर	लालेमायना	केलोली	गोहरारना
गिड़गिड़ाकर	जोजिया के	केयीकेयीमेंज	हात—पांय जोडतोर	लालेमास	केलोली कईर के	गोहरअरकी
काम	काम	बूता	बुता	बूतो	बुता	नलख
लकड़ी	लकड़ीकठवा	कटिया	दारु, लकड़ी	वरक	लकरी	कंक
टुकड़ा	टुकड़ा	तुकड़ा	गोन्दा	कुटका	टुटका	खड़ा
अच्छी	अच्छा	नला	नंगत, निको	चोकोट, बेसबन्ने	सुघर	बने
कुतरना	कतरना	कुतराकियना	कतरतोर	कतरे कियाना	कतेरना	केगेरआना
कुतरुंगा	कतरहुँ	कुतराकितान	कतरन्दे	कतरे—कियका	कतरहँ	केगेर:ओन
अपने	अपन	तनवा	आपलो	मावोर	अपन	तंगहे
दाँत	दाँत	पल्क	दात	पल	दाँत	पल्लो
पैने	चोक्खी/ धार वाले	करतोर	गोजेया	होड़ले	चोख	धारे
छोटे	नानुक	चुड़ला	नानी	हुडिला	नान	सन्नी
हमेशा	हमेसा हरदम	आरामेशा	—	रोज्जे	रोजेच	उर्मी बारी
कुछ न कुछ	कुछु न कुछु	बातैय—बातैय	काई नाहले काई	बाता हिल्ले बाता	कांही न कांही	इन्दरिम मल—इन्दरिम
दर्द	पीरा	एरय	दुखा	नोमुर	पीरा	नुंजना
आखिरी	आखरी	आखिरी	—	आकरी, मारत	आखरी	आखरी
चित्र	फोटू/छाया	सित्र	बाना	पोटो—चापा	फोटो	छपा
चबाना	चाबना, चबइ	अड़वाना	चाबतोर	कस्सकना	चबाबे	चबना
चबाकर	चाबके	अड़विमेज	चाबुन	कस्सक्स	चाएब के	चबअरकी
तुम्हारे	तोर	निवा	तुचो (एकवचन), तुमचो (बहुवचन)	निय्या, मिथ्या	तोर	निंगहै

मजा आना	मँजा अवइ /मँजा अवइ	मजा वाना	मंजा लागतोर	गिर्रदा-वायना	मजा आईस	दौ लगना
मजा आ गया	मँजा आगे	मजा वत्ता	मंजा लागली	गिर्रदा वात	मजा आ गईस	दौ लगिया
बड़ा-सा	बड़े जान	बिरया	बड़े	बरहा हजोर	रोंट	कोंहाम
गोला	गोला	गोला	गोला	गुरियात	गोल	गोलाई
साँस	साँस	नेसकाड़	निनास	नेस्कना उकुर	साँस	सांस
पनीर	पनीर	कृसा	पेवँस	किर्रचा	पनीर	पनीर
छेद	छेद, भोड़ू	बोहका	काना	बूका	भोंगटा	भोन्का
नजर आना	नँजर आना /नँजर अवइ	उड़नायना	दखा देतोर	डिस्त अराना	नजेर आइस	एथेरना
नजर आ रहे थे	नँजरआवत रहिस	उड़नायमुंतोर	दखा देसोत	डिस्त अरयतोर	नजर आवत रहिन	एथेरआ लगियर
अंदर	भीतर	लोपा	भितरे	लोपा	भीतर	भीतरे
सेब	सेव	सेव पण्डी	सेव	सेवक	सेव	सेव
अजीब	अलकरहा	—		अडर्रा	गजब	अजीब
चमचमाना	चमचम	पोतानेद	चमचम	रस्सगुलंग	चमचम	बिलिचना
ऊपर	उप्पर	पोरो	उपरे	पोर्रो	उपरे	मईयां
तिकोन	तिकोर	तिकोना	तीन खुटया	मूंड कोटूह	तिनखुटिया	तिकुना
चीखना	चिचियाना	तुमना	किरकिरतोर	लंजना	किरलाना	चिचियारना
चीखा	चिचयाइस	चीख	किरकिरलो	लंजतान	किरलाइस	चिचियारा
मूँछें	मेंछा	गडोक	मेछा मन	मीसांग	मेछा	गोच्चो
मुँह बनाना	मुँह बिचकइ	टोड माड़ना	थोतना के अलटतोर	टोड़ पंडाना, टोड़ हूयहना	बिजारना	बईन गोर्रे ननना
मुँह	मुँहबिचकइस बनाया	टोड माड़तोर	थोतना के	टोड़ पंडतूर अलटलो	बिजारिस हुयीहतूर	बईन गोर्रे ननजा
डरना	—	वेरताना	डरतोर	वर्रियाना	डराय	एलचना
डरकर	डरके	वेरसमेंज	डरुन	वर्रियस	डराय के	एलचर की
चिल्लाना	चिल्लाना	केयना	चिचयातोर	किर्री हियना	किरलाना	चिचियारना

चिल्लाया	चिल्लाइस	केयतोर	चिचयालो	किरीहीतूर	किरलाइस	चिचियार
बिल्कुल	बिल्कुल निच्चट	मिज्जाम	निरभान	कचित	सिरथों	एकदम
असली	असल	नलोड़ा	असली	सोराना	असली	सच्चेम
बचाना	बचई	बचाकिना	बचातोर	पिसहना	बचाबे	बछाबअना
बचाओ	बचाओ	बचाकिमुट	बचावा	पिसहाट	बचावा	बछाबआ
भागना	भागना / भगइ	मिराना	परातोर	वित्ताना	भागवे	बोंगना
भागकर	भाग के	मिरीमेंज	पराउन	वित्स	भायग के	बोंगरकी
घुसना	खुसरना / खुसरइ	नेगना	ओलतोर	होड़ियना	ढुकना	कोरना
घुस गया	खुसरगे	नेगता	ओललो	होड़ियतूर	ढुइक गइस	कोरचा
पाठ—15 धूप						
बीतना	पहाना	आतेद्	सरतोर	माराना, दायना	बीतिस	बितिरना
बीती	पहागे	अतेद्	सरली	मारत	बिती	बितिरका
रात	रात	मुलपे	रात	नर्रका	रायत	माखा
उजियारा	अंजोर	वेहसना	उजर	उजियारा	इजोर	बिल्ली, इन्जोत
घर	घर	लोन	घर	लोन	घर	एड़पा
आँगन	अंगना	द्वार	दुआर	रच्चा	अँगना	चाली
उतरना	उतरना	डिगना	उतरतोर	रैयना	उतरबे	एत्तना
उतरी	उतरगे	डिगता	उतरली	रैयत्	उतरिस	एत्तिया
धूप	घाम	धूपाम	घाम	अद	घाम	बिड़ना
कण—कण	कन—कन	चुडू—चुडू	कन—कन	उचुहनंग काडिंग	कन—कन में	छोटे—छोटे
पत्ते— पत्ते पर	पाना—पाना मा	आकी—आकी नेग	पाना—पाना ने	आक—आकते	पतई— पतई में	अतख— अतखा नू
हँसना	हाँसना / हँसइ	कवद्ना	हाँसतोर	कवना	हसबे	अलखना
हँसती —गाती	हाँसत—गावत	कवस पारी	हाँसते—गावते पाटा ओयता	कवसोर	हसत—गात	अलखूते —पाड़त
बिखरना	बगरना	रनबन	बिखरी होतोर	बिखरना	बगरना	बीड़रअना

बिखरी	बगरगे	रनबन अत्ता	बिखरी होली	लीकी आत	बगरिस	बीड़रआ
पर्वत	पहाड़	मेट्टा	डोङ्गरी	मट्टा	पहार	परता
चोटी	फिलिंग		टिप	सूंद, टिंग	टीप	चूंदी
उछलना	उछलना / उचकनो	लगना	उधलतोर	डेवना	तरकना	उछलारना, उदकारना
उछली	उचकिस	लंगता	उधलली	डेवत्	तरकिस	उछलारआ
झरना	झरना		झरन मन	गोर्दरंग	घाघी	झरना
बेलना	बेलना		बेलना	नोटना	बेलना	बेलना
खेली	खेलिस	करसता	खेलली	कर्स्त	खेलिस	बिच्चिया
सागर	समुंद	गोदार	समुंद	टङ्डी	समुंदर	समुदर
लहर	लाहरा	गाकुड़	लहरी मन	एर्रजेल	भोंयड़	लहर
नाचना	नचइ	एंदना	नाचतोर	एंदना	नाचबे	नलना
नाची	नाचिस	एंदता	नाचली	एंदित	नाचिस	नलिया
सहेली	संगवारी / गियाँ	संगताव	संगवारिन	जोड़ी	सखी	संगनी
पंछी	चिरइ	पिट्टे	चड़इ	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पंखों पर	पाँख मा	पंखाने	पाखि मन ने	मारेकिने	डेना में	पेंछे मईया
चमकना	चमकइ	चमकेमायना	चमकतोर	चमकना	लौकना	बिलचना
चमकी	चमकिस	चमेमत्ता	चमकली	जिगमिग आत	लौकिस	बिलचिया
फूलों पर	फूल मन मा	फंगानेग	फुल मन ने	पुंगहने	फूल में	पूप मईया
धरती	धरती / भुइयाँ	भम	धरती	नेल	भूइयाँ	खेखेल
कोने—	कोंटा—	कोना—कोना	कोण्टा—	कोटुल—	कोनहा—	कोंड़ा
कोने तक	कोंटा मा	एवना	कोण्टा ने	कोटुदे	कोनहा मे	—कोंड़ा नू
दिखाई	देखब मा आना	उड़नाना	दखा देतोर	डिस्त अरना	दिखथे	एथेरना

पाठ-16 छोटे-छोटे कदम

छोटे-छोटे	नान्हे-नान्हे	छूड़ला-छूड़ला	नानी-नानी	हुड़िला-हुड़िला	नान-नान	सन्नी-सन्नी
कदम	पाँव	गोंजी	कदम	डाका	पाँव	चटखना
आगे	आगू	मूनने	आघे	मुन्ने	आघू	मुन्धवारे
पढ़ना	पढ़ई / पढ़ना	पोढ़ेमायना	पड़तोर	पड़हे	पढ़ना	बचना

हाथ	हाँथ	कैय	हात	कय	हाथ	खेंकखे
साफ	साफ	नारदना	सफा	कियना	सफा	सफा
मेहनत	मिहनत	काम कियानाद	मसागत	कमाइत, कमय, बूतो	मिहनत	मेहनत
पाठ-17 चित्रकोट जलप्रपात						
छुट्टी	छुट्टी	छुट्टी	छुट्टि	तातिल	छुट्टी	छुट्टी
मामा	ममा	मामा	मामा	ममा	मामा	मामू
बैठक कक्ष	बइठक कुरिया	मिटिंग कोली	सबका खोली	उदना, कोली	ओसरा	ओकना अड्डा
जल प्रपात	जल परपात, झरना पानी झरना	जल प्रपात	घुमर गोदरंग	गोदोरका,	घाघी झरना	अम्म ही
टाँगना	टंगइ, टाँगना	वेड़तना	ओरातोर	वड़िहना	टाँगना	टंगना
टँगा था	टंगाए रहिस	वेड़हसमथा	ओराउ रला	वड़िहना मता	टांगेरहिस	टंगचका रहचा
दफ्तर	ऑफिस	ऑफीस	—	ऑपिस	आपिस	अफिस
जीप	जीप, मोटर	जीप	जीप	जीप	मोटर	जीप
तैयार	तइयार	तियार	तियार	जोंग	तियार	सपड़रका
जल्दी— जल्दी	लकर—लकर,	उभय चांडे	झटके, झपके	सांडे—सांडे	हालू हालू	चांडहे— चांडहे
घंटा	घंटा	घंटा	घंटा	गंटंग	जुआर	घंटा
फेन	फेन, गाजा, झाग	फेन	फेन	पंका	झाग	बोट्टो
दूध की तरह	दूध कस,	पालदाले	गोरस असन	पाल लेहका	गोरस नियर	दुदही लेक्खा
धारा	धार	धारा	धार	पोंगना	धार	नईर
शोर	सोर	लेंग	अंदल, कोलार	किरसांड	गुल	गूल
संगीत	गाना—बजना	पाटा	गीत—गोविन्द, संगीत	रुजूम	गीत	डण्डी
आनंद	मजा	खुशी	मंजा	गिरदा	मजा	रिझ
नन्ही— नन्ही	नान—नान	छुड़ला—छुड़ला	नानी—नानी	लाडो—लाडो, नूनी	नानकुन— नानकुन	सन्नी—सन्नी
मनोरम	सुग्घर	नला	मन के भावतो आसन	सोबय डिस्ले	मोहिन	बढ़िया
अस्त होना	बूड़ना	मुड़दना	बुड़तोर, बसतोर	मुंड़दना, अरोना	बुड़ना	पुतना
आज्ञा	हुकुम	आज्ञा	आग्यां	वेहना	हुकुम	हुकुम

पाठ-18 क्या है उसका नाम ?

पक्षी	चिरई	पिट्टे	चड़ई	पिट्टे	चरई	ओड़ा
पिंजरा	पिंजरा	पिंजरा	पिंजरा	पिंजड़ा	खोदरी	पिंजरा
अक्षर	आखर	अक्षर	अक्छर	आचेर	आखर	अक्षर
निराला	नियारा,निराला	नलोटा	सब्ले भिन	एक्ट, गड़हेन	निराला	नन्म
टाँगे	गोड़	काल्क	पॉय मन	काल्क	टंगरी	खेड़डे
गर्दन	टोंटा, घेंच	गुड़गा	टोडरा	टोडर्रा	ढेटू	खेसेर
सुपा	सुपा	एत	सुपा	हेत	सूपा	कैतेर
कान	कान	केव	कान	कव	कान	खेबदा
चकरी	चकरी	चकरी	चकरी	चक्का	चकरी	चकरी

पाठ-19 साहसी बनो

प्रसिद्ध	परसिद्ध	दाखा	परसिद	नामजागी	नामी	नामजद्दी
शहर	सहर	शहार	सहर, नंगर	सहेर	नंगर	शहर
पुरानी	जुन्ना	पानता	जुना	पड़ाना	जुनहा	पच्चा
घाट	घाट	घाट	घाट	मट्टा	घटिया	घाट
बंदर	बेन्दरा	कोवे	बेन्दरा, माकड़	मूँज	बंदरा	बंदरा
निडर	निडर	वेरवा	निडर	बिन वर्रे	निडर	डिङगर
सामान	समान	समान	जमक, जिनिस,	तिज बीडार,	जिनिस् चीज	समान,आलो
छीनना	झटकना,	नँगाना उंदना	झिकतोर	ऊँदना	लुटना	बच्चना
बाजार	बजार	हाट	हाट	हाटुम	बजार	बाजार, हाट
कंधा	खाँध	ऐटा	खांद	हट्टा	खांद	खेसेर
झोला	झोरा	झोरा	झोला / झोरा	जोरा	झोरा	थईला
करीब	लक्ठा	साठ	लगे	हेरे	लिघे	हेद्दे
दृश्य	दिरिस	उड़ाना	नजर	हूड़ाना, ओहनह आयना	दिरिस	एथेरना
सज्जन	भले मनखे	नलोटोर	नंगत मनुक	सोराना	सियान	दौआलस
मुकाबला	मुकाबला	मुंडासुड़ा	हारा-जीता	लड़े मायना	मुकाबला	अपटा
सीख	सीख	सीख मायना	सिखया	कर्रिया	सीख	सिखाबअना
दुनिया	दुनिया	दुनिया	सँवसार	बूम, दुनिया	संसार	दुनिया